मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 8 अंक 272
मंगलवार, 21 अप्रैल 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

खाई में गिरी यात्री बस, 21 लोगों की मौत

उधमपुर, 20 अप्रैल। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले से सोमवार को दिल दहला देने वाली खबर सामने आई। रामनगर क्षेत्र में एक तेज रफ्तार निजी बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी, जिससे 21 यात्रियों की मौत हो गई और 29 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा इतना भीषण था कि बस का ऊपरी हिस्सा पूरी तरह उखड़ गया और वाहन मलबे में तब्दील हो गया। अधिकारियों ने बताया कि बस ने एक ऑटो-रिक्शा को भी अपनी चपेट में ले लिया जिससे तीपहिया वाहन में सवार लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि यह हादसा सुबह करीब 10 बजे रामनगर क्षेत्र में एक तीखे मोड़ पर उस वक्त हुआ जब निजी बस का चालक नियंत्रण खो बैठा। पहाड़ी मार्ग से गुजर रहे सेना के एक काफिले ने तत्काल बचाव अभियान शुरू किया। बस में करीब 50 यात्री सवार थे जिनमें अधिकांश अपने दैनिक कामकाज के लिए रामनगर से उधमपुर जा रहे थे।

अधिकारियों ने बताया कि बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसका ऊपरी हिस्सा लगभग पूरी तरह उखड़ गया जिससे बचाव अभियान बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया। उधमपुर-रियासी रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक शिव कुमार शर्मा ने घटनास्थल पर संवाददाताओं से कहा, रामनगर से उधमपुर जा रही बस पहाड़ी रास्ते पर नियंत्रण खो बैठी और ढलान से नीचे गिरकर सड़क पर पलट गई तथा एक ऑटो-रिक्शा भी इसकी चपेट में आ गया। मौके पर 15 यात्रियों को मृत पाया गया जबकि चार अन्य ने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया।

अधिकारियों ने बताया कि उधमपुर जिला अस्पताल में इलाज के दौरान गंभीर रूप से घायल दो और लोगों की मौत हो गई जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 21 हो गई।

पीएम मोदी और सीएम अब्दुल्ला ने जताया दुख

शर्मा ने कहा कि स्थानीय निवासियों ने बचाव कार्य में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, रामनगर के थाना प्रभारी और अन्य अधिकारी समेत पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर सेना के जवानों के साथ संयुक्त बचाव अभियान चलाया। बाद में हाइड्रोलिक क्रेन की मदद से वाहन को सीधा किया गया।

उन्होंने बताया कि पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात और जम्मू जोन के पुलिस महानिरीक्षक भीम सेन टूटी फोन पर स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। उधमपुर से रामनगर जा रहे एक सैन्य काफिले का नेतृत्व कर रहे एक जवान ने बताया कि बस को पहाड़ी से नीचे लुढ़कते देख उन्होंने तुरंत कार्रवाई की। उसने कहा, मैं काफिले का नेतृत्व कर रहा था, तभी यह हादसा हुआ। वाहन करीब 100 मीटर की ऊंचाई से गिरा। हमने तुरंत क्षेत्र की घेराबंदी कर बचाव अभियान शुरू किया और कड़ी मश्क्कत से यात्रियों को निकाला।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हादसेपर शोक व्यक्त किया है। राष्ट्रपति मुर्मू ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में हुए बस हादसे में कई लोगों की मृत्यु की खबर सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ। मैं दुखद घटना में जान गंवाने वालों के परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करती हूं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में बस दुर्घटना में हुई लोगों की मौत के बारे में सुनकर बहुत दुख हुआ। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मैं अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा, मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। इस दुखद दुर्घटना में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजन को पीएमएनआरएफ की ओर से दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, उधमपुर में हुआ यह दुखद सड़क हादसा दिल दहला देने वाला है। मेरी गहरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। ईश्वर उन्हें संबल प्रदान करें। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। सिन्हा ने कहा कि उन्होंने जिला प्रशासन, पुलिस, राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और स्वास्थ्य विभाग को प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया है।

नीतीश कुमार पर बीजेपी का पूरा कंट्रोल: राहुल गांधी

तमिलनाडु , 20 अप्रैल। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा, जिन्होंने पिछले सप्ताह इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने नीतीश कुमार को 'समझौतावादी' बताते हुए आरोप लगाया कि जेडीयू प्रमुख के पिछले कार्यों ने भाजपा को उन पर पूरी तरह से नियंत्रण करने की अनुमति दी। गांधी ने राज्यसभा सांसद नीतीश पर हमला तब किया जब कांग्रेस नेता तमिलनाडु के थूथुकुडी में एक चुनावी रैली में भाषण दे रहे थे।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नीतीश को मुख्यमंत्री पद से हटाने में इसलिए सफल रही क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री रिश्वतखोर थे और राज्यसभा भेजे जाने के बाद उन्होंने एक शब्द भी नहीं कहा। बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश ने बिहार से राज्यसभा चुनाव जीतने के कुछ दिनों बाद 14 अप्रैल

को इस्तीफा दे दिया था। जेडीयू नेता का नाम लिए बिना, कांग्रेस नेता ने कहा कि देखिए बिहार में हाल ही में क्या हुआ है। बिहार के मुख्यमंत्री को हटाकर उनकी जगह भाजपा के एक व्यक्ति को बिठा दिया गया है। क्यों? क्योंकि बिहार के मुख्यमंत्री भ्रष्ट हैं। उन्होंने एक शब्द भी नहीं कहा और चुपचाप राज्यसभा चले गए।

बिहार का उदाहरण देते हुए राहुल गांधी ने तमिलनाडु के लिए भी इसी तरह की चिंता व्यक्त की और कहा कि भाजपा एक ऐसी राज्य सरकार चाहती है जिस पर उनका पूर्ण नियंत्रण हो।

खरगे की पीएम मोदी को सीधी चुनौती, देश से झूठ बोलना बंद करें

नई दिल्ली, 20 अप्रैल। शुक्रवार को लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक की हार के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर कन्या भ्रूण हत्या का आरोप लगाया, जिसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री पर पलटवार करते हुए उन्हें हताश बताया। खरगे ने साफ तौर पर कहा कि इसे राजनीतिक लाभ के लिए महिलाओं के आरक्षण के उपाय के रूप में गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि यह महिलाओं का सशक्तिकरण नहीं है।

खरगे ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में कुछ भी सार्थक न कर पाने वाले हताश और निराश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के नाम अपने आधिकारिक संबोधन को कीचड़ उछालने और सरासर झूठ से भरे राजनीतिक भाषण में बदल दिया। आचार संहिता पहले से ही लागू है और यह स्पष्ट था कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने विरोधियों पर हमला करने

के लिए सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कैसे किया। यह लोकतंत्र और भारत के संविधान का घोर अपमान है।

उन्होंने कहा कि मोदी जी ने कांग्रेस का 59 बार जिक्र किया और महिलाओं का केवल कुछ ही बार। इससे देश को उनकी प्राथमिकताओं के बारे में सब कुछ पता चल जाता है। महिलाएं भाजपा की प्राथमिकता नहीं हैं। कांग्रेस है, क्योंकि कांग्रेस इतिहास के सही पक्ष में खड़ी है। कांग्रेस ने हमेशा महिला आरक्षण का समर्थन किया है। हम वह पार्टी थे जिसने 2010 में राज्यसभा में महिला आरक्षण विधेयक पारित कराया ताकि वह निरस्त न हो जाए। भाजपा उस विधेयक को लोकसभा में पारित नहीं करा सकी। उन्होंने 2023 में एक और विधेयक लाया और कांग्रेस पार्टी ने उसका भी समर्थन किया।

खरगे ने कहा कि वह विधेयक अभी भी लागू है। दरअसल, इसे 16 अप्रैल को अधिसूचित किया गया था, जब लोकसभा परिसीमन संबंधी संवैधानिक संशोधन विधेयकों पर चर्चा कर रही थी। यह कार्य उसी प्रधानमंत्री द्वारा किया गया था। भाजपा को अपना विधेयक अधिसूचित करने में तीन साल लग जाना, भारत की नारी शक्ति के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दशार्ता है! उन्होंने कहा कि मोदी जी को देश से झूठ बोलना बंद करना चाहिए – उन्हें 2023 के कानून के तहत मौजूदा 543 लोकसभा सीटों में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण लागू करना चाहिए।

काशी की कंदराओं में गूंजा हिंदू राष्ट्र का स्वर : आस्था, विवाद और सवालों के बीच शास्त्री का संदेश

ज्ञानवापी से लेकर राष्ट्र की अवधारणा तक, बागेश्वर पीठाधीश्वर के बयान ने फिर छेड़ी बहस

सुरेश गांधी

वाराणसी। सनातन की अनादि नगरी काशी, जहां हर श्वास में इतिहास और हर आहट में आस्था बसती है, वहीं एक बार फिर वैचारिक तरंगों का ज्वार उठ खड़ा हुआ। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के काशी प्रवास के दौरान दिया गया बयान अब केवल धार्मिक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र बनता जा रहा है। एक समारोह में काशी आएं शास्त्री ने जहां काशी विश्वनाथ मंदिर की महिमा का गुणगान किया, वहीं ज्ञानवापी परिसर को लेकर दिए गए उनके कथन ने एक बार फिर इतिहास, न्याय और राजनीति के त्रिकोण को जीवंत कर दिया ।शास्त्री ने कहा बाबा विश्वनाथ के समीप जो कलंक लगा है, वह अधिक समय तक नहीं टिकेगा। उनके अनुसार न्यायालय शीघ्र निर्णय देगा और उसी स्थान पर अभिषेक होगा, जहां आज विवाद की रेखाएं खिंची हुई हैं। यह कथन केवल एक धार्मिक विश्वास नहीं, बल्कि उस दीर्घकालिक विवाद की ओर संकेत है, जो सदियों से काशी की पहचान के साथ जुड़ा हुआ है। यहां आस्था और इतिहास आमने-सामने खड़े दिखाई देते हैं, जहां एक पक्ष इसे सनातन की पुनर्स्थापना मानता है, तो दूसरा इसे सामाजिक संतुलन के लिए चुनौती के रूप में देखता है।

शास्त्री ने काशी को उदारता का सर्वोच्च प्रतीकह्व बताया। उन्होंने कहा कि यहां हिंदू और मुस्लिम समुदाय साथ रहते हैं और परस्पर आर्थिक-सामाजिक संबंधों में जुड़े हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि मंदिरों के आसपास मुस्लिम दुकानदारों की उपस्थिति इस सहअस्तित्व की जीवंत मिसाल है। यह टिप्पणी उस गंगा-जमुनी तहजीब की ओर इशारा करती है, जिसने

काशी को केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक राजधानी भी बनाया है।अपने भाषण के सबसे चर्चित हिस्से में शास्त्री ने हिंदू राष्ट्र की अवधारणा को मुखर किया। उन्होंने कहा कि जब दुनिया में मुस्लिम, ईसाई और यहूदी देशों का अस्तित्व है, तो हिंदुओं का राष्ट्र क्यों नहीं हो सकता? हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत में सभी धर्मों के लोगों को साथ रहना है कायदे में रहेंगे तो फायदे में रहेंगे। यह बयान भारतीय संविधान की मूल भावना, धर्मनिरपेक्षता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के बीच चल रही बहस को फिर से तेज करता है। एक ओर जहां इसे बहुसंख्यक भावनाओं की अभिव्यक्ति माना जा रहा है, वहीं दूसरी ओर यह अल्पसंख्यकों की आशंकाओं को भी जन्म देता है।

काशी केवल मंदिरों और घाटों का शहर नहीं, बल्कि विचारों की प्रयोगशाला भी है। यहां उठी हर आवाज देशव्यापी चर्चा का रूप ले लेती है। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का यह बयान भी उसी परंपरा का हिस्सा है, जहां धर्म, राजनीति और समाज एक-दूसरे से टकराते भी हैं और संवाद भी करते हैं। इस पूरे प्रकरण को केवल एक भाषण या विवाद के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह उस गहरे द्वंद्व का प्रतीक है, जिसमें एक ओर सांस्कृतिक अस्मिता की पुनर्स्थापना की आकांक्षा है, तो दूसरी ओर संविधान द्वारा स्थापित बहुलतावादी ढांचा। भारत की शक्ति उसकी विविधता में निहित है। काशी इसका जीवंत उदाहरण है, जहां मंदिर की घंटियां और अजान की आवाजें साथ गूंजती हैं।

पीएम मोदी की कूटनीति पूरी तरह फेल: जयराम रमेश

नई दिल्ली। कांग्रेस ने सोमवार को अमेरिका-ईरान शांति वार्ता में पाकिस्तान की भूमिका को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर नया हमला बोला। कांग्रेस का दावा है कि इस्लामाबाद द्वारा वार्ता के दूसरे दौर की मेजबानी भारत के लिए एक बड़ा कूटनीतिक झटका है। विपक्षी दल ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर का लोकप्रिय होना भारत की कूटनीतिक रणनीति में पूर्ण परिवर्तन की आवश्यकता को रेखांकित करता है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पर पोस्ट किया कि विदेश मंत्री ने जिस देश को दलाल देश बताया है, वह आज अमेरिका-ईरान शांति

वार्ता के दूसरे दौर की मेजबानी कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस तरह के कूटनीतिक बदलाव करने में बिल्कुल असमर्थ हैं। रमेश की टिप्पणी विदेश मंत्री एस जयशंकर के उस पूर्व बयान के संदर्भ में थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत वैश्विक भू-राजनीति में दलाल देश यानी मध्यस्थ की भूमिका नहीं निभा सकता।

'मेरा टारगेट सभी फॉर्मेट में भारत के लिए खेलना': गेंदबाज रसिख सलाम डार

नई दिल्ली, 20 अप्रैल। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज रसिख सलाम डार ने कहा कि उनका सबसे बड़ा मकसद सभी प्रारूप में भारत के लिए खेलना है। उन्होंने कहा कि वह मौका मिलने पर देश के लिए किसी भी प्रारूप में योगदान देने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। आईपीएल 2026 में

आरसीबी की तरफ से खेल रहे रसिख सलाम का प्रदर्शन गेंद से शानदार रहा है। वह तीन मुकाबलों में अब तक पांच विकेट अपने नाम कर चुके हैं। इस दौरान उनका इकोनॉमी भी महज 8.03 का रहा है। लखनऊ सुपर जायंट्स के विरुद्ध खेले गए मुकाबले में रसिख ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए चार ओवर में सिर्फ 24 रन देकर चार विकेट निकाले।

रसिख ने सोमवार को आरसीबी द्वारा अपने इंटरनेट मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में कहा कि मैंने आईपीएल या भारत के बारे में सोचकर क्रिकेट खेलना शुरू नहीं किया था। मुझे नहीं पता था कि यह सफर मुझे कहां ले जाएगा। हालांकि, अब मेरा लक्ष्य भारत के लिए सभी प्रारूप में खेलना है। मुझे किसी भी प्रारूप में मौका मिलेगा तो मैं योगदान देने के लिए तैयार हूं। मुंबई इंडियंस के विरुद्ध खेले गए इस सीजन के अपने पहले मुकाबले में ऐंठन से जूझने के बावजूद रसिख ने गेंदबाजी की और 23 रन देकर एक विकेट चटकाया।

उन्होंने कहा कि जब मैं गेंदबाजी करने आया तो मुझे क्रैम्प (ऐंठन) हो गए, ऐसा कुछ जो मैंने पहले कभी महसूस नहीं किया था।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता: सुविधा का वरदान या मूल्यों का संकट

-ललित गर्ग

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास यदि देखा जाए तो यह स्पष्ट होता है कि हर नई तकनीक अपने साथ संभावनाओं और संकटों का एक द्वंद्व लेकर आती है। आज का समय भी इसी द्वंद्व से गुजर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रूप में विकसित हो रही नवीन तकनीक ने जीवन को सरल, तीव्र और सुविधाजनक बनाया है, किंतु इसके साथ ही यह मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक संतुलन के लिए एक गंभीर चुनौती भी बनकर उभर रही है। समाज के चिंतकों, दार्शनिकों और आध्यात्मिक नेतृत्व ने समय-समय पर इस विषय पर चिंता व्यक्त की है और हाल ही में पोप लियो 14 द्वारा व्यक्त आशंकाओं ने इस चिंता को वैश्विक विमर्श का केंद्र बना दिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि इस तकनीक का उपयोग नैतिक मर्यादाओं से परे जाकर किया गया, तो यह विश्व में विभाजन, भय, हिंसा और संघर्ष को बढ़ावा दे सकता है। यह चेतावनी केवल एक धार्मिक नेता की भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं है, बल्कि यह उस गहरी चिंता का संकेत है जो आज पूरी मानवता के भीतर कहीं न कहीं विद्यमान है। तकनीक अपने आप में न तो नैतिक होती है और न ही अनैतिक, किंतु उसका उपयोग उसे किसी भी दिशा में ले जा सकता है।

वर्तमान समय में यह देखा जा रहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग केवल रचनात्मक और सकारात्मक कार्यों तक सीमित नहीं रह गया है। इसके माध्यम से झूठी सूचनाओं का निर्माण, नकली चित्रों और ध्वनियों का

सृजन तथा जनमत को प्रभावित करने के प्रयास तेजी से बढ़े हैं। चुनावी प्रक्रियाओं में इसका उपयोग लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर कर सकता है। जब कोई मतदाता यह समझ ही नहीं पाता कि जो वह देख रहा है या सुन रहा है वह सत्य है या निर्मित भ्रम, तब उसकी निर्णय क्षमता प्रभावित होती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास को कमजोर करती है। आज सोशल माध्यमों पर ऐसी अनेक घटनाएं सामने आती हैं, जहाँ किसी व्यक्ति को नरेंद्र मोदी जैसे बड़े नेताओं के साथ दिखाया जाता है, जबकि वास्तविकता में ऐसा कभी हुआ ही नहीं होता। यह केवल व्यक्तिगत भ्रम नहीं, बल्कि सामाजिक स्तर पर विश्वास की संरचना को कमजोर करने वाला प्रवाह है। जब झूठ और सत्य के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समाज में संशय, अविश्वास और अस्थिरता का वातावरण बनता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एक और चिंताजनक पक्ष है साइबर अपराधों में इसका बढ़ता उपयोग। आज अपराधी किसी व्यक्ति की आवाज की नकल करके उसके परिचितों को धोखा देने में सक्षम हो गए हैं। परिवार के सदस्य या अधिकारी बनकर धन की ठगी करना अब अत्यंत सरल हो गया है। इस प्रकार की घटनाओं ने अनेक लोगों की जीवन भर की कमाई को पल भर में समाप्त कर दिया है। यह केवल आर्थिक क्षति नहीं, बल्कि विश्वास और सुरक्षा की भावना पर गहरा आघात है। वित्तीय क्षेत्र में भी इस तकनीक का दुरुपयोग गंभीर संकट उत्पन्न कर सकता है। स्वचालित हमलों के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था की कमजोरियों का लाभ उठाया जा सकता है। यदि इस प्रकार के हमले व्यापक स्तर पर होते हैं, तो यह केवल व्यक्तिगत हानि तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी अस्थिर कर सकते हैं। यह स्थिति उस समय और भी गंभीर हो जाती है जब नियामक संस्थाएँ इन जटिल तकनीकों की गति और स्वरूप को समझने में पीछे रह जाती हैं।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह तकनीक पूरी तरह निर्दोष नहीं है। विशाल आंकड़ा केंद्रों की स्थापना, ऊर्जा की अत्यधिक खपत, तथा खनिज संसाधनों का दोहन-ये सभी प्रकृति पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं। कोबाल्ट और लिथियम जैसे खनिजों की बढ़ती मांग पर्यावरणीय असंतुलन और मानवीय शोषण दोनों को जन्म देती है। इस प्रकार यह समस्या केवल सामाजिक या नैतिक ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय चुनौती भी बन रही है। इन सभी चिंताओं के बीच यह समझना आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को नकारा नहीं जा सकता। यह आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है और चिकित्सा, शिक्षा, आपदा प्रबंधन तथा उत्पादन के क्षेत्र में इसके योगदान को अनदेखा नहीं किया जा सकता। समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग के स्वरूप में है। यदि इसे मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ जोड़ा जाए, तो यह एक वरदान सिद्ध हो सकती है। इसके लिए सबसे पहले आवश्यक है कि इसके विकास और उपयोग के लिए स्पष्ट और सशक्त नियम बनाए जाएं। सरकारों और संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस तकनीक का उपयोग पारदर्शी, सुरक्षित और उत्तरदायी तरीके से हो। कंपनियों को अपने तंत्र में ऐसी व्यवस्थाएँ विकसित करनी चाहिए, जिससे किसी भी प्रकार की भ्रामक सामग्री की पहचान और नियंत्रण संभव हो सके। साथ ही नागरिकों की जागरूकता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। डिजिटल साक्षरता के बिना कोई भी समाज इस चुनौती का सामना नहीं कर सकता। लोगों को यह समझना होगा कि जो कुछ वे देख या सुन रहे हैं, वह हमेशा सत्य नहीं हो सकता। सत्यापन की प्रवृत्ति को विकसित करना समय की आवश्यकता है। नैतिकता के स्तर पर यह भी आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रशिक्षण के लिए उपयोग किए जाने वाले आंकड़े निष्पक्ष और उच्च गुणवत्ता वाले हों। यदि आधार ही पक्षपाती होगा, तो परिणाम भी पक्षपाती होंगे। इससे सामाजिक असमानता और भेदभाव को बढ़ावा मिल सकता है। इसलिए निष्पक्षता, पारदर्शिता, गोपनीयता और उत्तरदायित्व जैसे सिद्धांतों को इसके विकास का आधार बनाना होगा।सांस्कृतिक दृष्टि से भी यह ध्यान रखना आवश्यक है कि तकनीकी विकास हमारी परंपराओं और मूल्यों के साथ संतुलन बनाए रखे। हमारी सांस्कृतिक धरोहर का डिजिटलीकरण और संरक्षण इस दिशा में एक सकारात्मक कदम हो सकता है, किंतु यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इसका उपयोग सम्मानपूर्वक और संवेदनशीलता के साथ किया जाए। सारूप में यह कहा जा सकता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक शक्तिशाली साधन है, जो मानव जीवन को नई दिशा दे सकता है। किंतु यदि इसे नैतिकता से अलग कर दिया जाए, तो यही शक्ति विनाश का कारण भी बन सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम तकनीक के विकास के साथ-साथ अपने नैतिक मूल्यों को भी सुदृढ़ करें। विज्ञान और मानवीय संवेदना के बीच संतुलन ही वह मार्ग है, जो हमें सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की ओर ले जा सकता है।

डेल टेक्नोलॉजीज ने भारत में एआई पावर्ड डेल 15 लॉन्च किया

पटना : डेल टेक्नोलॉजीज ने भारत में अपना नया एआई-पावर्ड लैपटॉप डेल 15 लॉन्च किया है, जिसे रोजमर्रा के कामों को अधिक स्मार्ट और आसान बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह लैपटॉप इंटेल कोर अल्ट्रा 2 सीरीज एच प्रोसेसर, इंटेल आर्क ग्राफिक्स और ऑन-डिवाइस ए.आई प्रोसेसिंग के लिए समर्पित एनपीयू के साथ आता है, जिससे मल्टीटास्किंग और प्रोडक्टिविटी बेहतर होती है। डेल 15 में 15 इंच का फुल एचडी डिस्प्ले, एआई-पावर्ड नॉइज रिडक्शन, एचडी वेबकैम और एक्सप्रेसचार्ज तकनीक जैसी सुविधाएं दी गई हैं, जो यूजर्स को बेहतर परफॉर्मेंस और कनेक्टिविटी प्रदान करती हैं। कंपनी के अनुसार, यह लैपटॉप स्टूडेंट्स, वर्क फ्रॉम होम और रोजमर्रा के उपयोग के लिए उपयुक्त है। कीमत डेल 15 की शुरूआती कीमत 69,699 रुपये रखी गई है।

फेसबुक के जाल में देश : साइबर सिंडिकेट बनाम कानून, कौन बचाएगा डिजिटल भारत?

-सुरेश गांधी

भारत में डिजिटल विस्तार जितनी तेजी से हुआ है, उतनी ही तेजी से साइबर अपराधियों ने भी अपनी रणनीति बदली है। फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म अब केवल संवाद के माध्यम नहीं, बल्कि अपराधियों के लिए शिकार खोजने का सबसे आसान रास्ता बन चुके हैं। ऐसे में बड़ा सवाल तो यही है क्या हमारी साइबर पुलिस इस चुनौती के सामने तैयार है, या अपराधी तकनीक के सहारे एक कदम आगे निकल चुके हैं? मतलब साफ है डिजिटल भारत की चमक के पीछे एक खतरनाक साया तेजी से फैल रहा है। फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जहां संवाद के माध्यम हैं, वहीं अब संगठित साइबर अपराधियों के लिए सबसे बड़ा ‟ऑपरेशन जोन" बनते जा रहे हैं। यह अब अकेले किसी व्यक्ति की हरकत नहीं, बल्कि एक संगठित सिंडिकेट है, जिसमें तकनीक, मनोविज्ञान और अपराध का ऐसा मेल है, जो देश के हर कोने, शहर, कस्बे और गांव, तक पहुंच चुका है। इंडियन साइबर क्राइम कोआर्डिनेशन सेंटर और नेशनल क्राइम रिकार्डस ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं, हर साल साइबर अपराध के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं. सोशल मीडिया आधारित अपराध सबसे तेजी से उभरते सेक्टर हैं. नेशनल क्राइम रिकार्डस ब्यूरो के अनुसार : ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी प्रोफाइल और ब्लैकमेल के मामले राष्ट्रीय स्तर पर फैल चुके हैं.

1 : साइबर अपराधी, तेज, संगठित और अपडेटेड

आज का साइबर अपराधी : वीपीएन और डार्क वेब का उपयोग करता है. फर्जी फेसबुक प्रोफाइल बनाता है. भावनात्मक जाल बिछाता है और फिर आर्थिक या मानसिक शोषण करता है. खास बात : कई गिरोह अंतरराज्यीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जुड़े हैं.

2 : साइबर पुलिस, चुनौतियों के बीच जंग

भारत में साइबर सुरक्षा के लिए : हर राज्य में साइबर थाने, हेल्पलाइन 1930, डिजिटल पोर्टल, लेकिन जमीनी सच्चाई : मुख्य चुनौतियां तकनीकी संसाधनों की कमी. प्रशिक्षित विशेषज्ञों की कमी. केस की बढ़ती संख्या. कई मामलों में अपराधी की लोकेशन ट्रेस करने में ही महीनों लग जाते हैं।

3 : कानून मजबूत, लेकिन पकड़ कमजोर

इंफारमेशन टेक्नोलॉजी एक्ट 2000 व इंडियन पीनल कोड कानून में प्रावधान हैं, लेकिन : डिजिटल सबूत जुटाना कठिन. अंतरराष्ट्रीय सहयोग धीमा. और न्याय प्रक्रिया लंबी. यही अपराधियों की ताकत बन जाता है।

देश के अलग-अलग हिस्सों से तस्वीर

दिल्ली : हाई-टेक फ्रॉड, कॉल सेंटर आधारित गिरोह.

महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलांगना : फाइनेंशियल फ्रॉड, निवेश के नाम पर ठगी. टेक्नोलॉजी का उन्नत इस्तेमाल, वीपीएन, क्रिप्टो पेमेंट और अंतराष्ट्रीय कनेक्शन.

हैदराबाद : टेक आधारित स्कैम, डेटा चोरी.

लखनऊ : फर्जी प्रोफाइल, भावनात्मक ब्लैकमेल. मतलब साफ है हर शहर में अपराध का तरीका अलग, लेकिन लक्ष्य एक - आसान शिकार और तेज कमाई.

4: तकनीक, दोनों के लिए हथियार

अपराधी : एआई, बॉट, फर्जी वीडियो

पुलिस : डिजिटल ट्रैकिंग, डेटा एनालिसिस. लेकिन : अपराधी तेजी से अपडेट होते हैं, पुलिस को सिस्टम से गुजरना पड़ता है।

5: पैसा, सबसे बड़ा मोटिव

साइबर अपराध : कम जोखिम, ज्यादा मुनाफा. यही वजह है कि युवा भी इस ओर आकर्षित हो रहे हैं।

6: आम नागरिक, सबसे कमजोर कड़ी

डिजिटल जागरूकता की कमी, जल्दी भरोसा करना, प्राइवेसी की अनदेखी. अपराधियों के लिए यही सबसे आसान रास्ता है।

7: क्या समाधान है?

सरकार : साइबर पुलिस को एआई आधारित बनाना. अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाना.

प्लेटफॉर्म (मेटा प्लेटफार्म) : फर्जी अकाउंट पर तुरंत रोक, डेटा सुरक्षा मजबूत.

डिजिटल जागरूकता की कमी का फायदा

कई मामलों में पीड़ित शिकायत तक नहीं करते। पश्चिम और दक्षिण भारत : हाई-टेक नेटवर्क. टेक्नोलॉजी का उन्नत इस्तेमाल, वीपीएन, क्रिप्टो पेमेंट और अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन. इंडियन साइबर क्राइम कोआर्डिनेशन सेंटर और नेशनल क्राइम रिकार्डस ब्यूरो और पुलिस जांच के अनुसार, यह एक पूरी चेन है :

1. डेटा कलेक्टर : सोशल मीडिया से जानकारी जुटाना.

2. प्रोफाइल क्रिएटर : फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाना

3. कन्वर्सेशन एक्सपर्ट : भावनात्मक बातचीत, भरोसा बनाना

4. एक्सप्लॉइटर : निजी फोटो/वीडियो हासिल. ब्लैकमेल

5. फाइनेंशियल ऑपरेटर : पैसे ट्रांसफर करवाना, क्रिप्टो/ई-वॉलेट के जरिए रकम गायब. यह एक संगठित डिजिटल ‟गैंग" है।

डिजिटल क्राइम इंडस्ट्री, कितना बड़ा है कारोबार?

करोड़ों रुपये की ऑनलाइन ठगी, रोज हजारों नए शिकार और बढ़ता नेटवर्क. कई मामलों में पैसा देश से बाहर तक ट्रांसफर होता है. यह अब छोटा अपराध नहीं, बल्कि एक आर्थिक अपराध उद्योग बन चुका है।

कानून बनाम अपराध

इंफारमेश टेक्नोलॉजी एक्ट 2000 धारा 66 ई, 67.

इंडियन पीनल कोड 354डी, 420, 506. फिर भी चुनौती : अपराधी पकड़ में नहीं आते, जांच में देरी, तकनीकी बाधाएं.

महिलाएं और युवा, सबसे आसान लक्ष्य

नेशनल कमीशन फार वोमेन के अनुसार : ऑनलाइन उत्पीड़न बढ़ा. ग्राउंड में : मॉर्फ्ड फोटो, फर्जी रिश्ते, ब्लैकमेल.

समाज पर असर, एक छिपा हुआ संकट

रिश्तों में अविश्वास, मानसिक तनाव, आत्महत्या के मामले, पारिवारिक विघटन. यह संकट अब राष्ट्रीय स्तर का है। नागरिक : सतर्कता, जागरूकता. आज की स्थिति में अपराधी तेज हैं. पुलिस संघर्ष कर रही है, लेकिन : अगर सिस्टम मजबूत हुआ, तो संतुलन बदला जा सकता है। मतलब साफ है यह लड़ाई दिखाई नहीं देती, लेकिन हर मोबाइल स्क्रीन पर लड़ी जा रही है। एक तरफ कानून है, दूसरी तरफ चालाक अपराधी। अगर पुलिस को ताकत नहीं मिली, तो यह जंग हारना तय है। लेकिन अगर सिस्टम जाग गया, तो यही डिजिटल भारत सबसे सुरक्षित भी बन सकता है। कहा जा सकता है यह वर्चुअल युद्ध है. यह सिर्फ अपराध नहीं, एक संगठित हमला है, समाज, सुरक्षा और विश्वास पर। वैसे भी स्क्रीन के पीछे बैठा अपराधी अब अकेला नहीं, वह एक नेटवर्क है, एक इंडस्ट्री है, एक सिंडिकेट है। अगर देश ने अब भी इसे गंभीरता से नहीं लिया, तो आने वाला समय डिजिटल नहीं, डिजिटल अपराध युग कहलाएगा।

> डिजिटल दौर में फेसबक अब सिर्फ संवाद का माध्यम नहीं रहा, बल्कि देशभर में फैलते साइबर अपराध के नेटवर्क का अहम जरिया बनता जा रहा है। फर्जी प्रोफाइल, भावनात्मक जाल और ब्लैकमेल की घटनाएं जिस तेजी से बढ़ी हैं, उसने यह साफ कर दिया है कि यह अब व्यक्तिगत अपराध नहीं, बल्कि एक संगठित साइबर सिंडिकेट का हिस्सा है। इंडियन साइबर क्राइम कोआर्डिनेशन सेंटर और नेशनल क्राइम रिकार्डस ब्यूरो के आंकड़े संकेत देते हैं कि सोशल मीडिया आधारित अपराध देश के हर कोने, शहर, कस्बे और गांव तक पहुंच चुके हैं। दूसरी ओर, साइबर पुलिस और कानून व्यवस्था इस तेजी से बदलती चुनौती से जूझ रही है। इंफारमेशन टेक्नोलॉजी एक्ट 2000 और अन्य कानूनी प्रावधान मौजूद होने के बावजूद तकनीकी सीमाएं, संसाधनों की कमी और अपराधियों के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क जांच को जटिल बना देते हैं। नतीजतन, एक तरफ संगठित और अपडेटेड अपराधी हैं, तो दूसरी तरफ दबाव में काम करता तंत्र। यही वह टकराव है, जहां सवाल सिर्फ सुरक्षा का नहीं, बल्कि डिजिटल भारत के भविष्य का है. ऐसे में बड़ा सवाल तो यही है क्या कानून इस जाल को तोड़ पाएगा, या फेसबुकिया नेटवर्क और मजबूत होगा?

गर्मी का कहर, पसीने की धारा में डूबा उत्तर प्रदेश

-अजय कुमार

उत्तर प्रदेश में अप्रैल का अंतिम सप्ताह आग की लपटों भरा साबित हो रहा है। सूरज की तपिश ने आम आदमी को घर की चौखट से बाहर निकलने पर मजबूर कर दिया है, लेकिन बाहर निकलते ही पसीने की धाराएं बहने लगती हैं। इंसान ही नहीं, सड़कों पर भटकते कुत्ते, पेड़ों की डालियों पर तड़पते पक्षी और खेतों में लू के थपेड़ों से परेशान पशु भी इस गर्मी के सितम से जूझ रहे हैं। मौसम विभाग की चेतावनी ने हड़कंप मचा दिया है, दोपहर के समय बेवजह बाहर न निकलें, वरना जान जोखिम में पड़ सकती है। राज्य में पारा 45 डिग्री को छू चुका है और आने वाले दिनों में 47-48 तक पहुंचने की आशंका है। अमीरों के पास एयर कंडीशनर और कूलर हैं, लेकिन गरीब जनमानस, जो झोपड़ियों में रहता है, वह इस भट्टी जैसे मौसम से कैसे जूझ रहा है? सभी जिलों में ऐसे गर्मी से पीड़ित लोगों की दास्तान एक जैसी नजर आ रही है।

लखनऊ की सड़कें दोपहर में वीरान हो जाती हैं। राजधानी का तापमान 44 डिग्री पार कर गया है। यहां के झुग्गी-झोपड़ी इलाकों में रहने वाले मजदूर रामू कहते हैं, साहब, दिन भर ठेला खींचते हैं, लेकिन दोपहर में छाया ढूंढते फिरते हैं। घर में तो पंखा भी गर्म हवा उड़ाता है। रामू जैसे हजारों लोग गर्मी से बचने के लिए पुराने कपड़ों से छत पर छाया बनाते हैं या नदी किनारे सोते हैं। बच्चे स्कूल से लौटते ही मिट्टी के घड़े से पानी पीते हैं। अमीर बस्तियों में कूलर की आवाज गूंजती है, लेकिन गरीबों के लिए एक गीला कपड़ा ही सहारा है। अस्पतालों में हीट स्ट्रोक के मरीज बढ़ रहे हैं। पिछले तीन दिनों में 50 से ज्यादा मामले दर्ज हो चुके हैं। महिलाएं रात को भी पसीने से तरबतर रहती हैं, नींद नहीं आती। वे कहती हैं, बच्चों को गोद में लेकर लेटती हैं, लेकिन गर्मी इतनी कि सांस लेना मुश्किल।

कानपुर में हालात और भयावह हैं। यहां का पारा 45.5 डिग्री तक पहुंच गया। चमड़ा उद्योग के मजदूरों का दर्द सबसे ज्यादा है। फूलपुर की तंग गलियों में रहने वाली शकुंतला बाई बताती हैं, घर में बिजली नहीं आती, पंखा चले तो भी क्या। दिन भर सड़क पर पानी बेचते हैं, लेकिन खुद को पानी नहीं मिलता। वे गर्मी से निपटने के लिए नीम की पत्तियां चबाती हैं और सिर पर गीला तौलिया बांधती हैं। बच्चे दोपहर में खेलना भूल गए हैं, बस घर के अंदर अंधेरे कमरे में दुबके रहते हैं। पशु चिकित्सालयों में गर्मी से मरते जानवरों की संख्या बढ़ रही है। कुत्ते और गायें लू के थपेड़ों से गिर पड़ी हैं। किसान खेतों में फसलें सूखते देख रो रहे हैं, लेकिन खुद भी डिहाइड्रेशन से जूझ रहे हैं। गंगा नदी किनारे लोग नहाने जाते हैं, लेकिन पानी भी गुनगुना हो चुका है।

वाराणसी के घाटों पर गर्मी ने घाटों को सुनसान कर दिया। पारा 46 डिग्री के करीब है। गंगा स्नान करने वाले श्रद्धालु अब सुबह जल्दी उतरते हैं, दोपहर में तो घाट खाली पड़े रहते हैं। काशी की गलियों में रहने वाले रिक्शा चालक रामप्रसाद कहते हैं, पैसेंजर नहीं मिलते, लेकिन भूखे नहीं सो सकते। गर्मी से सिर चकराता है, नमक-पानी का घोल पीते हैं। गरीब परिवारों में महिलाएं चूल्हा जलाना बंद कर देती हैं, बस ठंडे चावल खा लेती हैं। बच्चे स्कूल नहीं जाते, घर में लेटे रहते हैं। बुजुर्गों की हालत सबसे खराब है। वे छत पर सोने की कोशिश करते हैं, लेकिन हवा भी आग की तरह गर्म। गौशालाओं में गायें दम तोड़ रही हैं, चारा सूख चुका है। डॉक्टर सलाह देते हैं, नारियल पानी पिएं, लेकिन गरीबों के लिए वह भी महंगा साबित हो रहा है।

प्रयागराज में संगम का पानी भी गर्म हो गया है। कुंभ क्षेत्र के आसपास रहने वाले मजदूरों का जीवन नर्क बन गया। तापमान 45 डिग्री से ऊपर। झोपड़ियों में रहने वाली विधवा कमला कहती हैं, पति चले गए, अब ये गर्मी ही दुश्मन है। दिन भर पानी के टैंकर के इंतजार में खड़ी रहती हूं। बच्चे डायरिया से पीड़ित हो रहे हैं, अस्पताल भरे पड़े हैं। रात में भी नींद नहीं आती, लोग नदी किनारे इकट्ठा होकर हवा का इंतजार करते हैं। किसानों की फसलें जल रही हैं, आलू और गेहूं बर्बाद हो गए। पशु-पक्षी भी तड़प रहे हैं। स्थानीय लोग पुरानी परंपरा निभा रहे हैं, गर्मी से बचने के लिए गुड़-चने खाते हैं और सिर पर पगड़ी बांधते हैं।

आगरा में ताजमहल की संगमरमर की चादरें भी गर्म हो रही हैं। पारा 44.8 डिग्री। पर्यटन प्रभावित हो गया है, लेकिन गरीब दिहाड़ी मजदूरों का क्या? सिकंदरा की बस्तियों में रहने वाले मोहन लाल कहते हैं, एसी का सपना देखते हैं, लेकिन गीले कपड़े से काम चलाते हैं। शाम को पार्क में सोते हैं। महिलाएं सिर पर भुट्टा भूनकर बेचती हैं, लेकिन खुद भूखी रह जाती हैं। बच्चे दोपहर में छुप जाते हैं, खेलना बंद। अस्पतालों में इलेक्ट्रोलाइट की किल्लत हो गई है। खेतों में किसान मूंगफली की फसल बचाने की जद्दोजहद कर रहे हैं, लेकिन लू ने सब बर्बाद कर दिया। सड़कों पर कुत्ते बेहोश पड़े मिल रहे हैं।

मेरठ में गन्ने के खेत सूख रहे हैं। तापमान 45.2 डिग्री। उद्योग क्षेत्र के मजदूर दोपहर को छुट्टी ले लेते हैं, लेकिन गरीब किसान खेतों में ही डटे रहते हैं। लिसाड़ी गेट की झोपड़ियों में रहने वाली राधा कहती हैं, पंखा नहीं, बिजली बिल भर नहीं पाते। छत पर भूसे का पहाड़ा बनाया है। बच्चे स्कूल जाना छोड़ चुके हैं, घर में दुबके रहते हैं। रात को बिजली कट जाती है, तो गर्मी और बढ़ जाती। पशुओं को पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। डॉक्टरों का कहना है, ज्यादा पानी पिएं, लेकिन गरीबों के पास पीने का ही अभाव है।

झांसी में बुंदेलखंड की धरती तप रही है। पारा 46.5 डिग्री तक। यहां सूखे की मार पहले से थी, अब गर्मी ने काम तमाम कर दिया। महोबा रोड की बस्ती में रहने वाले किसान हरि सिंह बताते हैं, फसल मर गई, मजूरी भी नहीं मिल रही। गर्मी से बचने के लिए कीकर के पेड़ तले सोते हैं। महिलाएं चमेली के फूल तोड़कर बेचती हैं, लेकिन सिर पर गर्मी का बोझ। बच्चे डिहाइड्रेशन से गिर रहे हैं। गौशालाओं में हजारों पशु मर चुके हैं। नर्मदा नदी सूखी पड़ी है। लोग नींबू पानी बनाकर पीते हैं, लेकिन चीनी भी महंगी।

गोरखपुर में पूर्वांचल का पारा 44 डिग्री पार। बाढ़ के बाद अब गर्मी की बारी। कुशीनगर रोड पर झोपड़पट्टी में रहने वाली सुनीता कहती हैं, बच्चे रोते रहते हैं, ठंडक नहीं मिलती। नदी में नहाते हैं, लेकिन पानी गर्म। मजदूर ईंट भट्ठों पर काम करते हैं, लेकिन दोपहर बंद। अस्पतालों में सांप के काटने के साथ हीट स्ट्रोक के केस बढ़े। किसान धान की नर्सरी डालने से हिचक रहे हैं। पशु पानी के टैंकरों पर निर्भर।

अलीगढ़ और मुरादाबाद में भी यही हाल। अलीगढ़ में लॉक उद्योग ठप, मजदूर घरों में कैद। मुरादाबाद की गलियों में चमड़े के कामगार पसीने से लथपथ। हर जगह गरीब जनमानस घरेलू नुस्खों पर जी रहा है। गुलकंद खाना, प्याज का रस पीना, सिर पर ठंडा पानी डालना। बच्चे मिट्टी में लोटते हैं, ठंडक के लिए। महिलाएं रात भर जागती हैं, पति को ठंडा पानी पिलाती हैं। बुजुर्ग दुआ मांगते हैं, बारिश की। कुल मिलाकर इस गर्मी ने उत्तर प्रदेश को भट्टी बना दिया है। गरीबों के पास न कूलर, न फ्रिज, बस इरादे की ठंडक। वे गीले कपड़े पहनते हैं, छाया तलाशते हैं, नमक चाटते हैं। लेकिन हद पार हो रही है। सरकार को अब सक्रिय होना चाहिए।

अपर्णा यादव ने जलाया सपा का झंडा, समाजवादियों ने किया पुलिस केस

-संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश विधानसभा के सामने समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के झंडे जलाने वाली घटना ने मुलायम सिंह यादव के परिवार में छिपी रस्साकशी को एक बार फिर सतह पर ला दिया है। राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष और मुलायम के छोटे बेटे प्रतीक यादव की पत्नी अपर्णा यादव ने महिला आरक्षण बिल के संसद में पारित न होने पर यह कड़ा कदम उठाया। इस कृत्य से सपा के नेता भड़क उठे हैं और हजरतगंज कोतवाली में अपर्णा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की तहरीर दे दी गई है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इसे इमोशन हर्ट करने वाला बताते हुए नरमी बरती, लेकिन परिवार के इस खुल्लमखुल्ला टकराव ने मुलायम खानदान की राजनीतिक एकजुटता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अपर्णा का यह बागी तेवर नया नहीं है; वे पहले भी कई बार सपा के खिलाफ खुलकर मोर्चा खोल चुकी हैं, जो परिवार की आंतरिक जंग को और गहरा बनाता जा रहा है।

महिला आरक्षण बिल का संसद में अटकना विपक्षी दलों के लिए राजनीतिक मुद्दा बन गया था। अपर्णा यादव, जो भाजपा की टिकट पर 2022 के विधानसभा चुनाव में लखनऊ के पुष्पांजलि विधान क्षेत्र से जीतीं, ने इसे महिलाओं के अपमान के रूप में देखा। विधानसभा भवन के सामने धरना देते हुए उन्होंने सपा और कांग्रेस के झंडे जलाए, जिसके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। अपर्णा ने कहा, महिलाओं के हक के लिए यह जरूरी था। सपा और कांग्रेस ने बिल पास नहीं होने दिया, इसलिए उनका विरोध जायज है। यह घटना लखनऊ की सियासी गलियों में आग की तरह फैल गई। सपा नेताओं ने इसे पार्टी के सम्मान पर हमला करार दिया। पूर्व विधायक मनोज कुमार ने तहरीर देते हुए कहा, यह अराजकता है। अपर्णा को पद से हटाया जाए और कानूनी कार्रवाई हो।

अखिलेश यादव की प्रतिक्रिया दिलचस्प रही। उन्होंने कहा, किसी के इमोशन को हर्ट नहीं करना चाहिए। यह बयान अपर्णा के प्रति अप्रत्यक्ष निंदा तो था, लेकिन परिवार की एकता बचाने की कोशिश भी नजर आई। अखिलेश, जो मुलायम के बड़े बेटे और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, लंबे समय से परिवार में प्रभुत्व बनाए हुए हैं। अपर्णा का भाजपा से जुड़ाव और अब खुला विरोध उन्हें चुनौती दे रहा है। मुलायम सिंह यादव का निधन 2022 में होने के बाद परिवार दो धड़ों में बंट चुका था। अखिलेश गुट और प्रतीक-अपर्णा गुट। अपर्णा ने 2024 लोकसभा चुनाव में सपा के खिलाफ भाजपा प्रत्याशी का समर्थन किया था, जो पारिवारिक कलह का प्रतीक था। अब झंडा जलाने की घटना ने इस रस्साकशी को चरम पर पहुंचा दिया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अपर्णा का यह कदम भाजपा हाईकमान को संदेश है कि वे सपा के खिलाफ मुखर रहेंगी, जिससे उत्तर प्रदेश की सियासत में नया मोड़ आ सकता है।

अपर्णा का सपा विरोध कोई आज की बात नहीं है। 2022 विधानसभा चुनाव से पहले ही उन्होंने सपा छोड़ दी थी। मुलायम के निधन के बाद परिवार में संपत्ति और राजनीतिक विरासत के बंटवारे को लेकर विवाद हुआ। अपर्णा ने सपा को महिला विरोधी बताते हुए भाजपा जॉइन की। चुनाव में उन्होंने अखिलेश के करीबी को हराया, जो सपा के लिए बड़ा झटका था। उसके बाद 2023 में सपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी से प्रतीक यादव को हटाए जाने पर अपर्णा ने खुलकर अखिलेश की आलोचना की। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा था, सपा में भाईचारे का नामोनिशान नहीं बचा। 2024 लोकसभा चुनाव के दौरान अपर्णा ने लखनऊ में सपा प्रत्याशी रवि प्रकाश को निशाना बनाया और भाजपा की राजा भैया का प्रचार किया। एक रैली में उन्होंने सपा पर परिवारवाद का आरोप लगाया, जो अखिलेश के लिए व्यक्तिगत आघात था।

फिर 2025 में उत्तर प्रदेश नगर निगम चुनावों के समय अपर्णा ने सपा के खिलाफ मोर्चा खोला। लखनऊ महानगर में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने सपा उम्मीदवारों पर हमला बोला। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा, सपा महिलाओं की दुश्मन है, आरक्षण बिल पर उनकी चुप्पी इसका प्रमाण है। इस दौरान प्रतीक यादव ने भी अपर्णा का साथ दिया, जिससे सपा में हड़कंप मच गया। अपर्णा ने सपा के मुस्लिम तुष्टीकरण पर भी सवाल उठाए, जो पार्टी की कोर स्ट्रैटेजी को चुनौती था। इन घटनाओं ने मुलायम परिवार को दो हिस्सों में बांट दिया। अखिलेश का सैफई गुट बनाम अपर्णा का लखनऊ गुट। प्रतीक यादव, जो कभी सपा सांसद रह चुके हैं, अब भाजपा के करीब दिखते हैं। परिवार के बुजुर्ग नेता शिवपाल सिंह यादव ने बीच-बचाव की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली।

यह आंतरिक कलह सपा की राजनीतिक ताकत को कमजोर कर रही है। 2024 लोकसभा चुनाव में सपा ने 37 सीटें जीतीं, लेकिन अपर्णा जैसे बागियों ने भाजपा को फायदा पहुंचाया। विश्लेषक कहते हैं कि अपर्णा का झंडा जलाना सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि सपा के वोट बैंक को भेदने की रणनीति है। भाजपा ने अपर्णा को राज्य महिला आयोग का पद देकर उनका इस्तेमाल किया है। महिला मुद्दों पर उनकी मुखरता भाजपा की नारी शक्ति इमेज को मजबूत करती है। दूसरी ओर, अखिलेश सपा को एकजुट रखने के लिए पारिवारिक कार्ड खेल रहे हैं। उनका इमोशन हर्ट बयान इसी का हिस्सा था। लेकिन अपर्णा पीछे हटने को तैयार नहीं। उन्होंने कहा, मैं मुलायम जी की बहू हूं, सच्चाई बोलूंगी। मुलायम परिवार की यह रस्साकशी उत्तर प्रदेश की सियासत को प्रभावित करेगी। 2027 विधानसभा चुनाव नजदीक हैं, जहां सपा-भाजपा की सीधी टक्कर होगी। अपर्णा अगर लखनऊ में फिर सक्रिय हुईं, तो सपा को नुकसान हो सकता है। प्रतीक यादव की चुप्पी भी चिंता का विषय है। क्या वे खुलकर भाजपा में शामिल होंगे? परिवार के अन्य सदस्य जैसे अखिलेश की पत्नी डिंपल यादव ने चुप्पी साधी है, लेकिन आंतरिक असंतोष साफ दिखता है। सपा नेता पंकज सिंह ने कहा, अपर्णा का यह तमाशा परिवार को बर्बाद करेगा। वहीं, भाजपा ने इसे महिला सशक्तिकरण का प्रतीक बताया।

इस घटना ने मुलायम की विरासत पर सवाल उठाए हैं। मुलायम ने कभी परिवार को एकजुट रखा, लेकिन उनकी अनुपस्थिति में भाईचारा टूट गया। अपर्णा का सपा विरोध न केवल राजनीतिक, बल्कि व्यक्तिगत भी है। वे कहती हैं, मैं सपा से कभी नहीं लड़ी, अखिलेश की तानाशाही से लड़ी। अखिलेश गुट इसे गद्दारी मानता है। पुलिस ने तहरीर पर जांच शुरू कर दी है, लेकिन अपर्णा को गिरफ्तारी की संभावना कम है। यह विवाद सपा को कमजोर कर भाजपा को मजबूत करेगा। उत्तर प्रदेश में यादव वोट बैंक का बंटवारा तय है। अपर्णा की बगावत मुलायम परिवार की कहानी को नया अध्याय दे रही है।

मुंबई जिला स्तरीय तायक्वांडो प्रतियोगिता उत्साह के साथ संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अंधेरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 18 और 19 अप्रैल को आयोजित मुंबई जिला स्तरीय तायक्वांडो प्रतियोगिता उत्साह और भव्यता के साथ संपन्न हुई। इस प्रतियोगिता में लगभग 500 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया, वहीं 12 से 13 विभिन्न अकादमियों के कोच भी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में फाइट और पुमसे वर्गों में खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कुल मिलाकर प्रतियोगिता का स्तर काफी उच्च दर्जे का रहा, ऐसा उपस्थित लोगों ने बताया। ओवरऑल चैंपियनशिप में जयेश ट्रेनिंग क्लासेस ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि सिद्धकला तायक्वांडो अकैडमी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। फाइट वर्ग में एस डब्ल्यू एस ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जयेश ट्रेनिंग क्लासेस द्वितीय, सिद्धकला तायक्वांडो अकैडमी तृतीय, तथा स्काय मार्शल आर्ट अकैडमी ने चतुर्थ स्थान हासिल किया। पुमसे वर्ग में जयेश ट्रेनिंग क्लासेस ने प्रथम, सिद्धकला तायक्वांडो अकैडमी ने द्वितीय, और स्काय तायक्वांडो अकैडमी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के उत्कृष्ट आयोजन के लिए सभी सहभागी अकादमियों ने आयोजकों का आभार व्यक्त किया। विशेष रूप से जयेश वेल्हाळ के सुनियोजित प्रबंधन की सराहना की गई। इस प्रतियोगिता में मुंबई जिला तायक्वांडो संघ के सचिव विजय कांबळे का महत्वपूर्ण योगदान रहा। वहीं अध्यक्ष सुनील यमगर ने सभी विजेता खिलाड़ियों, पदाधिकारियों और अकादमी प्रतिनिधियों को बधाई देते हुए आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं।

भिवंडी में रोजगार के अवसर और जॉब स्किल्स पर मार्गदर्शन व्याख्यान कार्यक्रम में विद्यार्थियों का देखा गया उत्साह

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र ओपन यूनिवर्सिटी के तत्वावधान में संचालित जी एम मोमिन वीमेंस कालेज स्टडी सेंटर भिवंडी द्वारा बी.ए. फाइनल ईयर के विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अवसर और जॉब स्किल्स विषय पर एक उपयोगी मार्गदर्शन व्याख्यान रविवार, 19 अप्रैल 2026 को रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कालेज के उर्दू बसेरा ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वर्तमान समय की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना और उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध कैरियर अवसरों व आवश्यक जॉब स्किल्स की जानकारी देना था। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में प्रसिद्ध कैरियर काउंसलर फहीम अब्दुल बारी मोमिन उपस्थित रहे। अतिथि के रूप में पूर्व प्रधानाचार्य वी. के. सिंह, डा. अबुतालिब अंसारी, डा. कुतुबुद्दीन शाहिद और जफर आलम जामयी मौजूद रहे। कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर अब्दुल अजीज अंसारी ने अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिन्ह देकर किया। अपने संबोधन में फहीम अब्दुल बारी मोमिन ने बदलते रोजगार परिदृश्य, व्यावसायिक कौशल और आधुनिक आवश्यकताओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि केवल डिग्री ही पर्याप्त नहीं होती, बल्कि उसके साथ प्रैक्टिकल स्किल्स, कम्युनिकेशन स्किल्स, डिजिटल लिटरेसी और इंटरपर्सनल स्किल्स का होना भी जरूरी है। उन्होंने प्रभावी रिज्यूम तैयार करने, इंटरव्यू की तैयारी और प्रोफेशनल नेटवर्किंग के महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी मार्गदर्शन दिया। सत्र के दौरान विद्यार्थियों को आईटी, शिक्षा, बैंकिंग और बिजनेस मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में उपलब्ध रोजगार अवसरों की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने अपने करियर से जुड़े प्रश्न पूछकर विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त किया। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के ज्ञान के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाते हैं। कार्यक्रम का संचालन सोफिया मोमिन ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन डा. अबू साद एजाज ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में एजाज हाशमी और ताहूर मोमिन का विशेष योगदान रहा है।

ब्राह्मण समाज ने भगवान श्री परशुराम जी का जन्म उत्सव बड़े धूमधाम से मनाया

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड में ब्राह्मण समाज द्वारा भगवान श्री परशुराम जी का जन्म उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया, यह कार्यक्रम काशीमीरा परिसर राज स्टेट अजीत उपाध्याय के ऑफिस में संपन्न हुआ। इस शुभ अवसर अवसर पर रामयज्ञ तिवारी, मिथिलेश मिश्रा, इंद्रजीत चौबे,उमाशंकर मिश्रा, सुंदर पांडे,योगेश मिश्रा, राधेश्याम तिवारी, पत्रकार तारकेश्वर पांडे के साथ-साथ भारी संख्या में ब्राह्मण समाज उपस्थित होकर भगवान श्री परशुराम का तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर आशीर्वाद लिया।

नायगांव पुलिस की बड़ी कारवाई: वाहन चोरी कर कबाड़ में बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश, दो आरोपी गिरफ्तार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत नायगांव पुलिस स्टेशन की अपराध निवारण टीम ने एक बड़े वाहन चोरी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो दोपहिया और चारपहिया वाहनों को चुराकर उन्हें कबाड़ में बेचते थे।

04 अप्रैल 2026 को शाम करीब 6 बजे, शिकायतकर्ता मुजाहिद मुतुर्जा अंसारी (उम्र 27) ने अपनी महिंद्रा कंपनी की पिकअप गाड़ी हिंदुस्तान काटा कामन, वसई (जिला पालघर) में खड़ी की थी। 06 अप्रैल को जब उनके भाई गाड़ी लेने पहुंचे, तो वाहन वहां से गायब मिला। काफी तलाश के बाद भी गाड़ी का कोई पता नहीं चला, जिसके बाद अज्ञात आरोपी के खिलाफ नायगांव पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 328/2026, बीएनएस धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक के मार्गदर्शन में अपराध शाखा की दो टीमें गठित की गईं। तकनीकी जांच और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने नासिक जिले के शिलापुर टोल प्लाजा के पास जाल बिछाकर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया: सदानंद मुरलीधर अमृतकर

(55 वर्ष), पेशाः मैकेनिक, निवासी सीआईडीसीओ, नासिक अवधेश नारायण रामधर उपाध्याय (44 वर्ष), निवासी कोनार्क नगर, अडगांव शिवर, पंचवटी, नासिक पुलिस ने जब आरोपियों से पूछताछ कर उनके ठिकानों की तलाशी ली, तो एक नहर के पास भारी मात्रा में चोरी का सामान बरामद हुआ, जिसमें शामिल हैं:2 बोलेरो पिकअप 2 मोटर स्कूटर 3 दोपहिया इंजन 5 चारपहिया इंजन 7 कार बैटरियां 22 टायर गैस कटर उपकरण व ऑक्सीजन सिलेंडर बरामद सामान की कुल कीमत लगभग 10 लाख रुपये आंकी गई है। इसके अलावा नहर से 12,65,800 रुपये नकद भी बरामद किए गए। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने चोरी के कई मामलों में संलिप्तता स्वीकार की है। आरोपी अवधेश उपाध्याय के खिलाफ नासिक रोड पुलिस स्टेशन में भी मामला दर्ज है। यह पूरी कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दत्तात्रेय शिंदे, पुलिस उपायुक्त पौनिमा चौगुले (सर्कल-2, वसई), सहायक पुलिस आयुक्त नवनाथ घोगरे, तथा नायगांव पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संजय हजारे के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक विजय कदम सहित टीम के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों की सक्रिय भूमिका से इस गिरोह का पदार्फाश संभव हो सका।

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जयंती पर चश्मा वितरण शिविर का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती के अवसर पर विंध्य सामाजिक संस्था द्वारा कुर्ला पश्चिम स्थित सुंदरबाग क्षेत्र में चश्मा वितरण शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर का उद्घाटन आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली एवं एडवोकेट कैलास आगवने के हाथों किया गया। इस अवसर पर बाबू बत्तेली, शैलेश सिंह, सिद्धार्थ लोमटे, अनिल लोंढे, अहमद शेख, संजय एल्लाड और शिवा पाणिग्रही उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का आयोजन पंकज शर्मा, अखिलेश गौड़, ईश्वर चंद, अख्तर खान, अमजद शेख, लियाकत खान, प्रतीक प्रजापति और अमित बिंद द्वारा किया गया।

शिविर के दौरान नागरिकों की रक्तचाप (ब्लड प्रेशर) जांच भी की गई।

नागरी संरक्षण उपनियंत्रक कार्यालय द्वारा आयोजित आपदा प्रबंधन का पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र शासन के गृह विभाग (विशेष) के अंतर्गत उपनियंत्रक नागरी संरक्षण दल, जिला पालघर द्वारा बोईसर विधानसभा क्षेत्र के चिराग विद्यालय में आयोजित पांच दिवसीय आपदा प्रबंधन मूलभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

यह प्रशिक्षण उपनियंत्रक के. आर. कुरकुटे के मार्गदर्शन तथा विभागीय क्षेत्ररक्षक नरेश अनंत म्हस्के के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का समापन शनिवार 18 अप्रैल को किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को आपदाओं से होने वाले संभावित नुकसान, आपदा पूर्व तैयारी, समाज में जागरूकता फैलाने, नागरिकों को

स्व-सहायता के लिए सक्षम बनाने और सरकारी तंत्र को सहयोग देने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही जान-माल के नुकसान को कम करने के उपायों पर भी मार्गदर्शन किया गया। कार्यक्रम में प्रथमोपचार, बैंडेज तकनीक, आग के प्रकार, आपात स्थिति में घायलों को तुरंत सहायता व सुरक्षित स्थानांतरण, विभिन्न प्रकार की गांठें बांधना, अस्थायी स्ट्रेचर बनाना, सी.पी.आर. एवं ट्रायज जैसे विषयों पर व्याख्यान और प्रायोगिक प्रशिक्षण भी दिया गया। अंतिम दिन प्रतिभागियों की लिखित और प्रायोगिक परीक्षा ली गई। साथ ही नागरी संरक्षण विनियम 1968 के अंतर्गत भारतीय संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ भी दिलाई गई। समापन समारोह नागरी संरक्षण दल के कार्यालयीन अधिकारी अनिकेत धोडी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। इस अवसर पर अनंता पिरकर, विभागीय क्षेत्ररक्षक नरेश म्हस्के, भूपेंद्र मिश्रा, दुर्घटना नियंत्रण अधिकारी सुषमा जाधव, मास्टर ट्रेनर मेघना वैराल, रेवती मराठे, मेघा गोडबोले, ल सोनाली अक्रेकर, ममता देशमुख, आशा कुंभार, निधी आंब्रे, सुवर्णा भागवत, दीपाली पानसांडे, हर्षद तामोरे, दक्षेत मर्दे तथा माजी मानसेवी अधिकारी तृप्ती वझे, देविदास भोये व भावेश लोखंडे सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर नागरिकों से नागरी संरक्षण दल में शामिल होकर देश सेवा में योगदान देने की अपील भी की गई।

केडीएमसी हुई शक्त फेरीवालों पर जोरदार कार्रवाई

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका के प्रभाग 5-डी के अंतर्गत अनधिकृत फेरीवाले, हाथगाड़ियां और टपरियों पर आज बड़ी कार्रवाई की गई। यह अभियान सहायक आयुक्त उमेश यमगर के मार्गदर्शन में चलाया गया। चक्की नाका, गावदेवी चौक, चेतना स्कूल परिसर, जिया वाइन्स, 100 फुटी रोड, रिलायंस स्मार्ट पॉइंट, विजयनगर से आमराई सहित तिसगांव नाके पर नारियल विक्रेता की हाथगाड़ी पर भी कार्रवाई कर संबंधित फुटपाथ और सड़कों को अतिक्रमण मुक्त किया गया। सड़क पर अनधिकृत रूप से खड़ी हाथगाड़ियां, स्टॉल और टपरियों को जेसीबी की मदद से हटाया गया। इस कार्रवाई में बिक्री के लिए रखा गया सामान भी जब्त किया गया। इस

अभियान में अधीक्षक अविनाश ठाकरे, नितीन चौधरी, जयेश कालन, पथक प्रमुख उमेश जाधव, जेम्स कदम तथा पुलिस और महानगरपालिका के कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल थे।

कार्रवाई के दौरान कुल 69 हाथगाड़ियां, 6 टपरियां और 5 लोहे के स्टैंड हटाए गए। इस सख्त कार्रवाई के कारण कई स्थानों के सड़क और फुटपाथ अतिक्रमण मुक्त हुए हैं, जिससे नागरिकों में संतोष देखा जा रहा है।

महानगरपालिका ने आगे भी ऐसी कार्रवाई जारी रखने की चेतावनी देते हुए अनधिकृत व्यवसाय करने वालों से नियमों का पालन करने की अपील की है।

कल्याण-डोंबिवली भाजपा की नई कार्यकारिणी घोषित

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण डोंबीवली में भारतीय जनता पार्टी ने जिला संगठन की नई कार्यकारिणी का ऐलान कर दिया है। संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनावों को देखते हुए नई टीम को जिम्मेदारी सौंपी गई है। भारतीय जनता पार्टी ने कल्याण जिला संगठन की नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। पार्टी नेतृत्व ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और आगामी विधानसभा-लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए नई टीम का गठन किया है। बतादे की नई टीम में भाजपा उपाध्यक्ष पद पर अभिमन्यु गायकवाड़, सुभाष म्हस्के, मनोज राय, संजय मोरे, प्रदीप चौधरी, जितेंद्र भोईर, प्रेमनाथ म्हात्रे, महेश पाटिल, लक्ष्मण पाटिल और संजय अदक को नियुक्त किया गया है।

महासचिव के रूप में रवि सिंह ठाकुर, निखिल चव्हाण, अभिजीत करंजुले और संदीप माली को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं सचिव पद पर प्रकाश भोईर, विजय जोशी, ओमनाथ नाटेकर, मनोज घरत, अमित कासार, परेश गुजरे, शशिधर शुक्ला, सचिन यादवडे, मोहन नायर और प्रकाश तेलगोटे को शामिल किया गया है।कोषाध्यक्ष पद पर दिनेश दुबे और कार्यालय सचिव के रूप में आनंद देशपांडे की नियुक्ति की गई है। इसके अलावा विभिन्न मोर्चों और प्रकोष्ठों के अध्यक्षों व संयोजकों की भी घोषणा की गई है। महिला मोर्चा की जिम्मेदारी अर्चना सूर्यवंशी, युवा मोर्चा की कमान विक्रम तरे और किसान मोर्चा का नेतृत्व शाम पाटिल को सौंपा गया है। अनुसूचित जाति, ओबीसी, आदिवासी और अल्पसंख्यक मोर्चा सहित विभिन्न सामाजिक वर्गों के लिए अलग-अलग पदाधिकारी नियुक्त किए गए हैं। पार्टी ने उत्तर भारतीय, व्यापारी, उद्योग, सोशल मीडिया, आईटी, चिकित्सा, विधि, सहकार, मछुआरा, रेलवे यात्री सहित कई सेल और आघाडियों के संयोजकों की भी नियुक्ति कर संगठन का विस्तार किया है।

नालासोपारा में धूमधाम से मनाया गया महादेव जानकर का जन्मदिन समारोह, 58 हजार नोटों से किया गया सत्कार

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय समाज पक्ष के संस्थापक संरक्षक, महाराष्ट्र के पूर्व कैबिनेट मंत्री महादेव जानकर का जन्मदिन नालासोपारा पूर्व में हर्षोल्लास, उत्साह और भव्यता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, समर्थक एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।कार्यक्रम का आयोजन बालाजी हॉल नालासोपारा वसई लिंक रोड पर किया गया, जहां राष्ट्रीय समाज पक्ष की ओर से महादेव जानकर का 58 हजार नोटों के साथ भव्य सत्कार किया गया। समारोह के दौरान पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल देखने

को मिला। इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं महाराष्ट्र के पूर्व कैबिनेट मंत्री चंद्रकांत त्रिपाठी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने महादेव जानकर को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके सामाजिक एवं राजनीतिक योगदान की सराहना की। महादेव जानकर महाराष्ट्र की राजनीति में ओबीसी, किसान एवं सामाजिक न्याय के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने वाले प्रभावशाली नेताओं में गिने जाते हैं। उन्होंने राष्ट्रीय समाज पक्ष के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों को राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिलाने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए राष्ट्रीय समाज पक्ष के मीडिया प्रभारी रामलाल यादव ने बताया कि यह समारोह कार्यकताओं और समर्थकों के प्रेम एवं सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

9 साल से फरार सुपारी किलर गिरफ्तार, काशिमीरा पुलिस की बड़ी सफलता

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत काशिमीरा पुलिस की अपराध निवारण शाखा (कक्ष-1) ने हत्या के एक सनसनीखेज मामले में 9 वर्षों से फरार चल रहे मुख्य आरोपी को झारखंड से गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। 06 अप्रैल 2017 को दोपहर करीब 2 बजे, काशिमीरा थाना क्षेत्र के मीरा गांव में अज्ञात हमलावरों ने शामू लाहिड़ी गौड़ (उम्र 40 वर्ष) के घर का

दरवाजा खटखटाया। जैसे ही उन्होंने दरवाजा खोला, आरोपियों ने देशी कट्टे से उनकी छाती में गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी। इस मामले में काशिमीरा पुलिस स्टेशन में हत्या (धारा 302), आपराधिक साजिश (120-बी), सामूहिक अपराध (34) तथा आर्म्स एक्ट की धाराओं 3, 25 और 27 के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी सुनीलकुमार राजक ने वर्ष 2015 में मृतक से 5 लाख रुपये उधार लिए थे, जिसे वह लौटा नहीं पा रहा था। पैसों के दबाव के चलते उसने राजेश मनेश्वर रविदास (उम्र 34) को 2 लाख रुपये की सुपारी देकर हत्या की साजिश रची। सुपारी लेने के बाद राजेश अपने साथियों के साथ झारखंड से मीरा रोड आया, रेकी की और वारदात को अंजाम दिया। इस मामले में अन्य आरोपियों को मार्च 2026 में माननीय न्यायालय द्वारा आजीवन कारावास और 1 लाख रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई जा चुकी है, जबकि मुख्य शूटर राजेश रविदास घटना के बाद से फरार था।

लगातार जांच और खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस को पता चला कि आरोपी झारखंड के हजारीबाग में छिपा हुआ है। इसके बाद अपराध शाखा की टीम ने वहां डेरा डालकर निगरानी की और 15 अप्रैल 2026 को जाल बिछाकर आरोपी राजेश उर्फ उत्तम मनेश्वर रविदास को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ हत्या सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर उसे हजारीबाग न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे आगे की जांच के लिए काशिमीरा पुलिस को सौंप दिया गया है।

यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दत्तात्रेय शिंदे, पुलिस उपायुक्त (अपराध) संदीप डोइफोडे, सहायक पुलिस आयुक्त (खुलासा) मदन बल्लाल के मार्गदर्शन में तथा पुलिस निरीक्षक सुशीलकुमार शिंदे और उनकी टीम द्वारा सफलतापूर्वक अंजाम दी गई।

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

शादी का झांसा देकर लूट : लूटेरी दुल्हन गिरोह ने युवक से नगदी व सामान छीना

-डॉ. इम्तियाज अहमद

जौनपु (उत्तरशक्ति)। जिले में शादी के नाम पर ठगी और लूट का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि एक युवती ने अपने साथियों के साथ मिलकर विवाह का झांसा देकर आए युवक और उसके परिजनों से करीब एक लाख रुपये नगद, मोबाइल फोन और बैग लूट लिया और फरार हो गई।

घटना लाइन बाजार थाना क्षेत्र के शाहगंज हाईवे स्थित कमला नेहरू इंटर कॉलेज के पास शनिवार देर शाम की बताई जा रही है। पीड़ित पक्ष के अनुसार वे शिकायत लेकर शीतला चौकियां पुलिस चौकी पहुंचे, लेकिन आरोप है कि पुलिस ने तत्काल कोई कार्रवाई नहीं की। वहीं चौकी प्रभारी ने मामले की जानकारी होने से इनकार किया है।

पीड़ित रवि द्विवेदी (निवासी बांदा) ने बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से उसकी पहचान जौनपुर की एक युवती से हुई थी। बातचीत के दौरान युवती ने उसके साले आनंद पांडेय (निवासी रीवा) के लिए रिश्ता बताया और जौनपुर बुलाया।17 अप्रैल को बदलापुर क्षेत्र में मुलाकात के दौरान युवती ने एक लड़की और उसके कथित परिजनों से परिचय कराया। आपसी सहमति के बाद अगले दिन कोर्ट मैरिज कराने की बात तय हुई। आरोप है कि 18 अप्रैल को शादी की प्रक्रिया के नाम पर कागजी औपचारिकताएं करवाई गईं और लड़की पक्ष को 80 हजार रुपये देने की बात कही गई। रुपये लेने के बाद युवती ने बहाना बनाकर सभी को जौनपुर शहर के अलग-अलग स्थानों पर घुमाया और अंततः शाहगंज हाईवे के पास सुनसान जगह पर ले जाकर पहले से मौजूद अन्य साथियों के साथ मिलकर उन्हें डरा-धमकाकर नगदी, मोबाइल और बैग लूट लिया। घटना के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। मामला सामने आने के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं और घटना रहस्यमय बनी हुई है। फिलहाल पुलिस की ओर से आधिकारिक पुष्टि या कार्रवाई की जानकारी नहीं मिल सकी है।

गोला बाजार में अमीना साजिद का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कस्बा खेतासराय क्षेत्र के वार्ड नंबर 9 गोला बाजार निवासी अमीना साजिद का जन्मदिन बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मॉडर्न कॉन्वेंट स्कूल के प्रबंधक डॉ. आबिद खान की विशेष मौजूदगी रही। समारोह में परिजनों, रिश्तेदारों और मोहल्ले के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सभी ने अमीना साजिद को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना की। कार्यक्रम के दौरान केक काटकर जन्मदिन मनाया गया। बच्चों और बड़ों ने मिलकर इस मौके को खास बना दिया, जिससे पूरा माहौल उत्सवमय हो गया। परिजनों ने बताया कि इस तरह के आयोजन आपसी प्रेम और भाईचारे को मजबूत करते हैं। समारोह में उपस्थित सभी लोगों ने अमीना साजिद के जीवन में निरंतर सफलता और खुशहाली की कामना की।

कुल्हनामऊ में भगवान परशुराम के जन्मोत्सव पर भव्य प्रतिमा का अनावरण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर कुल्हनामऊ चौराहे पर भगवान परशुराम की 11 फीट ऊंची भव्य प्रतिमा का विधिवत अनावरण एवं पूजन-अर्चन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला और बड़ी संख्या में सर्व समाज के लोग कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का आयोजन मुरलीधर चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी, समाजसेवी एवं उद्योगपति प्रमोद पाठक के संयोजन में किया गया। शाम को शुरू हुए कार्यक्रम में 51 बटुकों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना, आरती एवं परशुराम चालीसा का पाठ किया गया। श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण की भी विशेष व्यवस्था की गई। इस मौके पर प्रमोद पाठक ने कहा कि भगवान परशुराम किसी एक वर्ग के नहीं, बल्कि पूरे समाज के आराध्य हैं। उन्होंने समाज में एकता और समरसता का संदेश देते हुए कहा कि भगवान को जातियों में बांटना उचित नहीं है। कार्यक्रम में विभिन्न वर्गों और समुदायों की सहभागिता ने इस संदेश को और मजबूत किया। वहीं विधायक रमेश चंद्र मिश्र ने भगवान परशुराम के धर्म रक्षा में योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यह स्थल आने वाले समय में धार्मिक और सांस्कृतिक चेतना का केंद्र बनेगा। कार्यक्रम में विभिन्न दलों के जनप्रतिनिधि एक साथ मंच साझा करते नजर आए, जो सामाजिक एकता का प्रतीक रहा। सोशल मीडिया पर हो रही चर्चाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि यह आयोजन पूरी तरह धार्मिक आस्था से जुड़ा है और इसे किसी राजनीतिक दृष्टिकोण से नहीं देखा जाना चाहिए। आयोजकों ने बताया कि भविष्य में इस स्थान को परशुराम चौक या परशुराम पार्क के रूप में विकसित करने की योजना है, जिससे यह क्षेत्र पर्यटन के रूप में भी विकसित हो सके और युवाओं को धर्म एवं संस्कारों की प्रेरणा मिल सके। कार्यक्रम में विधायक इंद्र प्रताप तिवारी खब्बू, मंत्री गिरीश चंद्र यादव, नगरपालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्या, समाजसेवी ज्ञानप्रकाश सिंह, पूर्व ब्लाक प्रमुख श्रीपति उपाध्याय, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति, पूर्व जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह, कुंवर मृगेंद्र सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी ने आयोजन को भव्य रूप प्रदान किया।

गयासपुर नोनारी में सामुदायिक भवन की मांग, मतदान केंद्र बनाने का भी प्रस्ताव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक जौनपुर सदर मोहम्मद अरशद खान ने जिलाधिकारी जौनपुर को पत्र भेजकर गयासपुर नोनारी गांव में सामुदायिक भवन के निर्माण की मांग उठाई है। उन्होंने जनहित से जुड़े इस मुद्दे पर शीघ्र कार्रवाई की आवश्यकता बताई है।

अपने पत्र में उन्होंने कहा कि गयासपुर नोनारी गांव में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है, जिसके चलते ग्रामीणों को सामाजिक, शैक्षणिक और सार्वजनिक कार्यक्रमों के आयोजन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सामुदायिक भवन के निर्माण से गांव में सामाजिक एकता को बढ़ावा मिलेगा और विभिन्न गतिविधियों के लिए स्थायी स्थान उपलब्ध हो सकेगा। मोहम्मद अरशद खान ने यह भी बताया कि गांव में मतदान केंद्र (पोलिंग बूथ) न होने के कारण मतदाताओं को दूर जाना पड़ता है, जिससे मतदान प्रतिशत प्रभावित होता है। इसे लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय बताते हुए उन्होंने सुझाव दिया कि फिलहाल गयासपुर नोनारी स्थित मान्यता प्राप्त मदरसे में अस्थायी मतदान केंद्र स्थापित किया जाए। उन्होंने आगे कहा कि भविष्य में सामुदायिक भवन के निर्माण के साथ ही स्थायी मतदान केंद्र की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। अंत में उन्होंने जिला प्रशासन से जनहित को ध्यान में रखते हुए इस प्रस्ताव पर जल्द से जल्द निर्णय लेने की मांग की है।

आजमगढ़ : छात्र की संदिग्ध हालात में मौत, जहर की आशंका

-मो. इमरान फारूक

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद के फूलपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत इब्राहिमपुर गांव में 17 वर्षीय छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, विशाल यादव (17) पुत्र मुन्नीलाल, जनता इंटर कॉलेज अंबारी में कक्षा 12 का छात्र था। रविवार रात अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजन उसे तत्काल फूलपुर के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। परिजन जब तक उसे हायर सेंटर लेकर पहुंचे, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक, डॉक्टरों ने शरीर में जहर होने की आशंका जताई है। हालांकि, जहर शरीर में कैसे पहुंचा, इसका कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है। घटना से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। स्कूल में भी शोक सभा आयोजित कर छात्र-छात्राओं व शिक्षकों ने मृतक की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। सोमवार को छात्र का अंतिम संस्कार कर दिया गया। वहीं, घटना को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। परिजन मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।

जब अफसरों ने परोसा खाना : बड़ा खाना में दिखा वर्दी का जज्बा

जौनपुर पुलिस लाइन में बना यादगार पल

जौनपुर (उत्तरशक्ति) । 20 अप्रैल 2026 दीक्षांत परेड से ठीक पहले जौनपुर पुलिस लाइन का परेड ग्राउंड उस समय खास बन गया, जब कुँवर अनुपम सिंह के नेतृत्व में रिक्रूट आरक्षियों के लिए पारंपरिक बड़ा खाना कार्यक्रम का भव्य आयोजन हुआ। एसएसपी की मौजूदगी ने पूरे आयोजन को गरिमा और प्रेरणा से भर दिया, जहां उन्होंने सीधे संवाद कर जवानों का हौसला बढ़ाया और सेवा के मूल मंत्र दिए।

इस आयोजन में प्रमुख स्तंभ के रूप में आयुष श्रीवास्तव ने सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने रिक्रूट्स को उनके 11 माह के कठिन प्रशिक्षण की सराहना करते हुए उन्हें अनुशासन, जिम्मेदारी और जनता के प्रति संवेदनशीलता का पाठ पढ़ाया। नेतृत्व की भूमिका में आतिश कुमार सिंह ने भी रिक्रूट आरक्षियों को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस सेवा में धैर्य, समर्पण और ईमानदारी ही सबसे बड़ी ताकत है, जिसे हर परिस्थिति में बनाए रखना आवश्यक है।

कार्यक्रम की सबसे खास झलक तब देखने को मिली जब वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वयं रिक्रूट आरक्षियों को भोजन परोसा। इस आत्मीय पहल ने जवानों के भीतर सम्मान, अपनापन और गर्व की भावना को और मजबूत कर दिया। एक साथ बैठकर भोजन करने से पुलिस बल में एकजुटता और टीम भावना का अनोखा उदाहरण सामने आया।

इस अवसर पर गोल्डी गुप्ता, सृष्टि जैन, देवेश सिंह, अजीत सिंह चौहान सहित क्षेत्राधिकारी शाहगंज, बदलापुर, मछलीशहर एवं मड़ियाहूं समेत जनपद के अन्य अधिकारीगण भी मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि लगभग 11 माह के कठोर प्रशिक्षण के बाद ये रिक्रूट आरक्षी जल्द ही पासिंग आउट परेड में शामिल होकर उत्तर प्रदेश पुलिस का अभिन्न हिस्सा बनेंगे और कानून-व्यवस्था के साथ जनसेवा में अपनी अहम भूमिका निभाएंगे। जौनपुर पुलिस का यह आयोजन केवल परंपरा नहीं, बल्कि एक मजबूत, संवेदनशील और अनुशासित पुलिस बल की नींव को और सुदृढ़ करने की दिशा में बड़ा कदम है।

रूबी ऑप्टिकल का हुआ शुभारंभ, स्थानीय लोगों में उत्साह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के शाहगंज पड़ाव से बड़ी मस्जिद रोड पर रूबी ऑप्टिकल का विधिवत उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में वार्ड सभासद शाहनवाज मंजूर उपस्थित रहे, जिन्होंने फीता काटकर दुकान का शुभारंभ किया। इस मौके पर क्षेत्र के गणमान्य लोग एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने नए प्रतिष्ठान के खुलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के लिए उपयोगी बताया। अपने संबोधन में सभासद शाहनवाज मंजूर ने कहा कि इस प्रकार के प्रतिष्ठानों से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं अपने ही क्षेत्र में उपलब्ध हो जाती हैं। दुकान संचालक ने बताया कि रूबी ऑप्टिकल में आधुनिक तकनीक से आंखों की जांच के साथ-साथ उच्च गुणवत्ता के चश्मे और लेंस उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने सभी आगंतुकों का आभार जताते हुए बेहतर सेवा देने का आश्वासन दिया।कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

20 साल से जमे कर्मचारी पर सवाल, चकबंदी कार्यालय में भ्रष्टाचार की शिकायत

-विशाल सोनी

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज तहसील स्थित चकबंदी कार्यालय एक बार फिर भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर चर्चा में है। अधिवक्ता समिति शाहगंज ने उपजिलाधिकारी/उपजिला मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपकर कार्यालय में व्याप्त कथित भ्रष्टाचार पर गंभीर चिंता जताई है और एक कर्मचारी के स्थानांतरण की मांग की है। ज्ञापन में समिति के अध्यक्ष लालचन्द गौतम और महामंत्री राजीव कुमार सिंह ने आरोप लगाया है कि चकबंदी कार्यालय में चपरासी से लेकर अधिकारियों तक भ्रष्टाचार व्याप्त है और बिना सुविधा शुल्क के कोई भी कार्य नहीं किया जाता। इससे वादकारियों, आम नागरिकों और अधिवक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। समिति के अनुसार, 17 अप्रैल 2026 को आयोजित बैठक में चकबंदी न्यायालय और कार्यालय में फैले भ्रष्टाचार तथा अधिकारियों के कथित मनमाने रवैये पर चर्चा की गई। बैठक में चेतावनी दी गई कि यदि स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो चकबंदी न्यायालय के कार्यों के बहिष्कार का निर्णय लिया जाएगा। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि चकबंदी कर्मचारी नीलम पाण्डेय पिछले लगभग 20 वर्षों से एक ही स्थान पर तैनात हैं, जिसे लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। समिति ने आरोप लगाया है कि उनके कार्यकाल के दौरान बिना धन लिए कोई कार्य नहीं किया जाता और न ही पत्रावलियों का निस्तारण होता है। इसके अलावा, 18 अप्रैल की शाम समिति के अध्यक्ष को एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा फोन कर कथित रूप से अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। कॉल करने वाले ने स्वयं को संबंधित कर्मचारी का परिजन बताया। उक्त मौके पर अध्यक्ष लालचंद गौतम महामंत्री राजीव कुमार सिंह (डब्लू सिंह)पूर्व अध्यक्ष महंत देव यादव व विशाल सिंह विक्की,अमरेंद्र सिंह गुड्डु,शिवम सिंह, शिवम श्रीवास्तव,अंकित सिंह,ग्यास सरवर, भावेश यादव, अजय सिंह,राजकेशर यादव, राजीव श्रीवास्तव, बेलाल अहमद, जमीर अनवर खान, जयकुमार गौतम आदि।

विशाल गुप्ता उर्फ गोरेलाल गुप्ता के परिवार को एक करोड़ रुपये मुआवजा दिया जाए : मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने एक अत्यंत गंभीर एवं हृदयविदारक घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी जौनपुर एवं जिलाधिकारी आजमगढ़ का ध्यान आकृष्ट किया है।

उन्होंने अपने पत्र में कहा है कि जौनपुर सदर विधानसभा क्षेत्र की तहसील शाहगंज के अंतर्गत ग्राम जैगहां में विद्युत व्यवस्था अत्यंत दयनीय स्थिति में है। गांव में बिजली के तार सड़क के ऊपर अत्यधिक नीचे लटक रहे हैं, जो आए दिन वाहनों से टकराते हैं और किसी भी समय बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं। इसी घोर लापरवाही के चलते कुछ दिन पूर्व जैगहां निवासी विशाल गुप्ता उर्फ गोरेलाल गुप्ता की करंट लगने से दर्दनाक मृत्यु हो गई। विशाल गुप्ता उर्फ गोरेलाल गुप्ता एक मेहनती और जिम्मेदार नौजवान थे, जिनकी मात्र दो वर्ष पूर्व ही शादी हुई थी और उनके परिवार में तीन माह की एक मासूम बच्ची है। इस असमय मृत्यु ने पूरे परिवार को गहरे संकट और शोक में डाल दिया है। मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि यह घटना केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही का प्रत्यक्ष उदाहरण है। उन्होंने यह भी बताया कि जैगहां गांव के पूर्वी हिस्से में, जो आजमगढ़ जिले की सीमा से सटा हुआ है, वहां भी बिजली के तार अत्यंत जर्जर और खतरनाक स्थिति में हैं।

उन्होंने प्रशासन से मांग किया है कि जैगहां गांव तथा आसपास के क्षेत्रों में सभी जर्जर एवं नीचे लटक रहे विद्युत तारों को तत्काल बदलकर सुरक्षित किया जाए। इस गंभीर लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। मृतक विशाल गुप्ता उर्फ गोरेलाल गुप्ता के परिवार को माननीय मुख्यमंत्री जी के माध्यम से एक करोड़ रुपये का मुआवजा तत्काल प्रदान किया जाए, ताकि पीड़ित परिवार को आर्थिक संबल मिल सके। मोहम्मद अरशद खान राष्ट्रीय सचिव सपा पूर्व विधायक जौनपुर सदर ने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए तत्काल प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो भविष्य में और भी निर्दोष लोगों की जान जा सकती है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

वाराणसी में दबंगों का तांडव : अस्सी पार्किंग के पास फॉर्च्यूनर सवार साड़ी व्यापारी से मारपीट

गाड़ी में तोड़फोड़, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के भेलूपुर थाना क्षेत्र में रविवार तड़के बेखौफ बदमाशों ने जमकर उत्पात मचाया। अस्सी पार्किंग के पास बाइक सवार युवकों ने एक फॉर्च्यूनर सवार युवक को न केवल गाली-गलौज और मारपीट का शिकार बनाया, बल्कि उसकी गाड़ी में भी जमकर तोड़फोड़ की। पुलिस ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए मुख्य आरोपी ऋषभ सिंह राजपूत को गिरफ्तार कर लिया है। दशाश्वमेघ क्षेत्र के लाहौरी टोला निवासी यश कपूर, जो पेशे से साड़ी व्यापारी हैं, ने बताया कि रविवार, 19 अप्रैल 2026 की सुबह करीब 4:30 से 5:00 बजे के बीच वे अपनी फॉर्च्यूनर कार (UP 65 FX 0606) से अस्सी घाट की ओर से जा रहे थे। अस्सी पार्किंग के समीप पहुंचते ही पीछे से बाइक सवार 3-4 अज्ञात युवक आए और बिना किसी कारण अभद्र भाषा का प्रयोग करने लगे। जब यश कपूर ने इसका विरोध किया, तो आरोपियों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। बदमाशों ने ईंटों से हमला कर उनकी फॉर्च्यूनर कार को भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया।

पीड़ित के अनुसार, जब वे अपनी जान बचाकर वहां से घर की ओर भागने लगे, तो आरोपियों ने उनका पीछा नहीं छोड़ा। भेलूपुर चौराहे के पास बदमाशों ने उन्हें दोबारा घेर लिया और गाड़ी में तोड़फोड़ करते हुए जान से मारने की धमकी दी।

आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड सामने आया

इस वारदात में ऋषभ सिंह राजपूत का नाम सामने आने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि आरोपी का विवादों और आपराधिक गतिविधियों से पुराना नाता रहा है। कुछ समय पहले उसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें वह कथित तौर पर बंदूक से फायरिंग करता नजर आया था। फिलहाल पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और अन्य फरार आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही पूरे मामले का खुलासा कर सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण जौनपुर द्वारा लू एवं गर्म हवा से बचाव हेतु एडवाइजरी जारी

इसके असर को कम करने के लिए और लू से होने वाली मौतों की रोकथाम के लिए निम्नलिखित सावधानियों बरतें-

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपर जिलाधिकारी, (वित्त एवं राजस्व) ने अवगत कराया है कि जनपद में पारा 44°C (डिग्री सेल्सियस) तक पहुंच जा रहा है जिसके कारण लू प्रकोप एवं गर्म हवा चलने की संभावना है जिसके दृष्टिगत लू से जनहानि भी हो सकती है।

कड़ी धूप में बाहर न निकले, खासकर दोपहर 12.00 बजे से 3.00 बजे तक की बीच में। जितनी बार हो सके पानी पिये, प्यास न लगे तो भी पानी पियें। हल्के रंग के ढीले-ढाले सूती कपडे पहने। धूप से बचने के लिए गमछा, टोपी, छाता, धूप का चश्मा, जूते और चप्पल का इस्तेमाल करें। यात्रा करते समय अपने साथ पानी अवश्य रखें। अगर आपका काम बाहर का है तो टोपी, गमछा या छाते का इस्तेमाल जरूर करें और गीले कपड़े को अपने चेहरे, सिर और गरदन पर रखें। अगर आपकी तबियत ठीक न लगे या चक्कर आये तो तुरन्त डॉक्टर से सम्पर्क करें।

घर में बना पेय पदार्थ जैसे कि लस्सी, नमक चीनी का घोल, नीबू पानी, छाछ, आम का पना इत्यादि का सेवन करें। जानवरों को छाव में रखें और उन्हें खूब पानी पीने को दें। अपने घर को ठण्डा रखें परदे, शटर आदि का इस्तेमाल करें। रात में खिड़कियों खुली रखें। शराब, चाय, कॉफी जैसे पेय पदार्थों का इस्तेमाल न करें।

क्या करें क्या न करें - धूप में खड़े वाहनों में बच्चों एवं पालतू जानवरों को न छोडे। खाना बनाते समय कमरे के खिडकी एवं दरवाजे खुले रखें, जिससे हवा का आना जाना बना रहे। नशीले पदार्थ, मादक पदार्थ तथा अल्कोहल के सेवन से बचें। उच्च प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ का सेवन करने से बचें। बासी भोजन न करें।

खिड़की को रिफ्लेक्टर जैसे एल्यूमीनियम पन्नी, गत्ते इत्यादि से ढक कर रखें, ताकि बाहर की गर्मी को अन्दर आने से रोका जा सके। उन खिड़कियों व दरवाजों पर जिनसे दोपहर के समय गर्म हवाएं आती है, काले परदे लगाकर रखना चाहिए। स्थानीय मौसम के पूवानुमान को सुने और आगामी तापमान में होने वाले परिवर्तन के प्रति सतर्क रहें। जहाँ तक संभव हो घर में ही रहें तथा सूर्य के सम्पर्क से बचें। संतुलित हल्का व नियमित भोजन करें।

पीयू में ड्रग-फ्री कैंपस पर राष्ट्रीय कार्यशाला संपन्न

नई सुबह संस्था, के साथ विभिन्न शैक्षणिक मुद्दों पर हुआ समझौता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में मिशन ड्रग फ्री कैंपस एवं सोसाइटी अभियान के अंतर्गत आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला सोमवार संपन्न हुई। अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग एवं डीन छात्र कल्याण कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला में नशा मुक्ति, मानसिक स्वास्थ्य एवं पुनर्वास के विभिन्न आयामों पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

कार्यशाला का विषय ड्रग-फ्री सोसाइटी एवं कैंपस का निर्माणः मनो-सामाजिक, चिकित्सकीय एवं आध्यात्मिक मार्गह्व रहा। विशेषज्ञों ने युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया।

इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में नई सुबह, वाराणसी और वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ । इस समझौते का उद्देश्य शैक्षणिक, शोध एवं सामुदायिक कार्यक्रमों में संयुक्त सहयोग को बढ़ावा देना है। इसके अंतर्गत दोनों संस्थान मिलकर कई गतिविधियाँ संचालित करेंगे, जिनमें अतिथि व्याख्यान, विशेषज्ञ वार्ता, फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम, छात्र प्रशिक्षण, इंटर्नशिप एवं फील्डवर्क, संयुक्त कार्यशालाएँ, सेमिनार एवं सम्मेलन, शोध सहयोग एवं प्रकाशन शामिल हैं। साथ ही मनोवैज्ञानिक आकलन, परामर्श एवं थेरेपी अनुभव, सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम, नशा मुक्त भारत@2047 अभियान के अंतर्गत ड्रग-फ्री कैंपस एवं समाज अभियान, आत्महत्या रोकथाम पहल, विश्वविद्यालय छात्रों के लिए मुफ्त टेली-काउंसलिंग तथा मासिक ऑफलाइन मनोवैज्ञानिक मार्गदर्शन एवं परामर्श शिविर भी आयोजित किए जाएंगे। समझौते के तहत प्रशिक्षण एवं वार्षिक भ्रमण के लिए न्यूनतम बैच आकार आपसी सहमति से तय होगा तथा प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष के लिए गतिविधियों का कैलेंडर तैयार किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, नई सुबह और विश्वविद्यालय का आनंदमः सेंटर फॉर एक्सीलेंस मिलकर सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य, हैप्पीनेस अध्ययन, प्रशिक्षण एवं सामुदायिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देंगे। इस समझौता ज्ञापन को मानसिक स्वास्थ्य, नशा मुक्ति और छात्र कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मुख्य अतिथि प्रो. आर. बी. कमल ने कहा कि नशा समाज और विशेषकर युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती है, जिससे निपटने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। विशिष्ट अतिथि कर्नल आलोक डी. सिंह ने अनुशासन और जागरूकता को नशा उन्मूलन का प्रभावी माध्यम बताया, जबकि देवेश सिंह (क्षेत्राधिकारी सदर, जौनपुर) ने प्रशासनिक स्तर पर चलाए जा रहे अभियानों की जानकारी दी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने की। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर को नशा मुक्त बनाने के लिए निरंतर जागरूकता अभियानों की आवश्यकता पर बल दिया। सह-संरक्षक एवं मुख्य वक्ता डॉ. अजय तिवारी (नई सुबह, वाराणसी) ने मानसिक स्वास्थ्य और पुनर्वास के क्षेत्र में समन्वित प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया।

तकनीकी सत्रों में डॉ. विनोद वर्मा (मनोरोग विभागाध्यक्ष, मेडिकल कॉलेज) ने चिकित्सा एवं मनोचिकित्सकीय दृष्टिकोण से नशा मुक्ति पर प्रकाश डाला, जबकि डॉ. क्षितिज शर्मा (आर्ट ऑफ लिविंग, बेंगलुरु) ने आध्यात्मिक उपायों की भूमिका को रेखांकित किया। रागिनी प्रसाद, श्रेया गुप्ता, खुशबू मोदनवाल, ईशा एवं डिम्पल सैनी द्वारा नशा मुक्ति से जुड़े केस स्टडी प्रस्तुत किए गए।

राउंड टेबल पैनल चर्चा में डॉ. विनोद कुमार सिंह, प्रो. देव राज सिंह, प्रो. विनोद कुमार, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. प्रमोद के. यादव, श्रीमती सीमा सिंह, प्रो. रुचिरा सेठी, अमरेंद्र पांडेय तथा डॉ. सरिता पांडेय सहित विभिन्न विशेषज्ञों ने ड्रग फ्री कैंपस एवं सोसाइटीः विभिन्न हितधारकों की भूमिका विषय पर अपने विचार साझा किए।

समापन सत्र में क्षेत्राधिकारी सदर, जौनपुर देवेश सिंह, वित्ताधिकारी आत्म प्रकाश धर द्विवेदी एवं प्रो. अजय द्विवेदी की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. मनोज पाण्डेय ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान आयोजक सचिव डॉ. चंदन सिंह, अमरेश यादव ,दिव्यांशु सिंह, पवन सोनकर, पृथ्वी सिंह सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन ईश्विका सिंह ने किया।

जनगणना 2027: प्रगणकों व पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण दूसरे चरण में शुरू

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के लिए प्रगणकों और पर्यवेक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण जनपद के 8 केंद्रों पर दूसरे चरण में शुरू हो गया है। तहसील सदर स्थित टी.डी. बालिका इंटर कॉलेज में जिलाधिकारी एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी डॉ. दिनेश चंद ने दीप प्रज्वलन कर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए जनगणना के राष्ट्रीय महत्व पर प्रकाश डाला और इसे देश की नीतियों एवं योजनाओं की आधारशिला बताया। वहीं, अपर जिलाधिकारी (वि.रा.) एवं जिला जनगणना अधिकारी परमानंद झा ने तहसील मड़ियाहूं के स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज में प्रशिक्षण का उद्घाटन किया और प्रतिभागियों को जनगणना कार्य की जिम्मेदारियों से अवगत कराया। प्रशासन के अनुसार, जनपद में 16 अप्रैल 2026 से 6 मई 2026 तक कुल 216 बैचों में 10 हजार से अधिक गणनाकर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में 22 मई से 20 जून 2026 तक जनगणना के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य किया जाएगा। इससे पहले 7 मई से 21 मई तक नागरिकों को स्व-गणना (Self Enumeration) की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। प्रशासन ने सभी संबंधित कर्मियों से प्रशिक्षण को गंभीरता से लेने और जनगणना कार्य को सफल बनाने में सक्रिय योगदान देने की अपील की है।

फर्जी प्रमाण पत्र से बना सिपाही जौनपुर में तैनात पुलिसकर्मी पर FIR के बाद भी कार्रवाई पर उठे सवाल!

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर पुलिस विभाग में भर्ती होने के आरोप में एक सिपाही पर गंभीर कानूनी कार्रवाई का मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता मनोज कुमार सिंह ने जिलाधिकारी मीरजापुर को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि गांव के ही संदीप तिवारी ने स्वयं को स्वतंत्रता सेनानी का नाती बताकर गलत तरीके से आरक्षण का लाभ लिया और पुलिस में भर्ती हो गया। बताया जा रहा है कि इस मामले में लालगंज थाने में क्रूट की धारा 419, 420, 467, 468 और 471 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस जांच में आरोपों को प्रथम दृष्टया सही पाए जाने के बाद आरोपी के खिलाफ चार्जशीट भी न्यायालय में दाखिल की जा चुकी है।

शिकायतकर्ता का कहना है कि आरोपी सिपाही वर्तमान में जौनपुर के सिकरारा थाने में तैनात है। वहीं, स्थानीय लोगों में इस पूरे मामले को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं और सवाल उठ रहे हैं कि गंभीर धाराओं में केस दर्ज होने और चार्जशीट दाखिल होने के बावजूद अब तक विभागीय कार्रवाई क्यों नहीं हुई।

लोगों का यह भी कहना है कि आम नागरिकों पर पुलिस त्वरित कार्रवाई करती है, लेकिन अपने ही विभाग के मामले में ढिलाई बरती जा रही है। फिलहाल सभी की नजरें उच्च अधिकारियों की कार्रवाई पर टिकी हैं।

मछलीशहर में बेस्ट डिजिटल प्रिंटिंग का भव्य उद्घाटन

अरशद अली

मछलीशहर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर के मोहल्ला मोती नगर स्थित सब्जी मंडी में बेस्ट डिजिटल प्रिंटिंग का भव्य उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक डॉ. रागिनी सोनकर द्वारा फीता काटकर किया गया। उद्घाटन के अवसर पर संस्थान के प्रोपराइटर जमील अहमद ने मुख्य अतिथि को बुके भेंट कर स्वागत व सम्मान किया। वहीं पूर्व चेयरमैन प्रत्याशी बबलू राइन ने विधायक को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस मौके पर उपस्थित गणमान्य लोगों ने नई दुकान के शुभारंभ पर खुशी जताते हुए प्रोपराइटर को बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में सामाजिक व राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े कई प्रमुख लोग शामिल रहे। उद्घाटन समारोह में हाजी एजाज खान (मैनेजिंग डायरेक्टर, लायल वंडर स्कूल), मुन्ना सभासद, डॉ. हस्सान सभासद, डॉ. तेज बहादुर यादव, इश्तियाक अंसारी, फराज सिद्दीकी सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय लोगों की अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली, जिससे आयोजन का उत्साह और बढ़ गया।

पूर्व मंत्री अरुण कुमार सिंह मुन्ना का निधन, शोक की लहर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री अरुण कुमार सिंह मुन्ना का निधन हो गया। उनके निधन की खबर से पूरे जिले सहित राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

अरुण कुमार सिंह मुन्ना उत्तर प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके थे। उन्होंने लंबे समय तक सक्रिय राजनीति में रहकर जनसेवा की और अपने सरल स्वभाव, मिलनसार व्यक्तित्व तथा जनसरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता के लिए पहचान बनाई। उनके जीवन से जुड़ी पुरानी यादों में वे कई सामाजिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाते नजर आते रहे। एक पुरानी तस्वीर में वे ईडन पब्लिक स्कूल के संस्थापक/मैनेजर परवेज आलम भुट्टो एवं पूर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष फैसल हसन तबरेज के साथ भी दिखाई देते हैं, जो उनके सामाजिक जुड़ाव को दशार्ती है। उनके निधन पर विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, सामाजिक संगठनों और क्षेत्रीय नागरिकों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिजनों को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की है।

कुल्हनामऊ में भगवान परशुराम की भव्य प्रतिमा का अनावरण

- लाल शेखर सिंह

जौनपुर (उत्तर शक्ति)। अक्षय तृतीया एवं भगवान परशुराम जयंती के पावन अवसर पर जिले के कुल्हनामऊ चौराहे पर स्थापित 11 फीट ऊंची भगवान परशुराम की प्रतिमा का विधिवत पूजन-अर्चन एवं अनावरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में सर्व समाज के लोग उपस्थित रहे और पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला।कार्यक्रम का आयोजन मुरलीधर चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी समाजसेवी एवं उद्योगपति प्रमोद पाठक के संयोजन में किया गया। शाम शुरू हुए कार्यक्रम में 51बटुको द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना, आरती और परशुराम चालीसा का पाठ किया गया। आयोजकों द्वारा श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण की भी व्यवस्था की गई। इस मौके पर प्रमोद पाठक ने कहा कि भगवान परशुराम किसी एक समाज के नहीं बल्कि पूरे समाज के आराध्य हैं। उन्होंने कहा कि भगवान को जातियों में बांटना गलत सोच है, वे सर्व समाज के लिए समान रूप से पूजनीय हैं। कार्यक्रम में विभिन्न वर्गों और समुदायों के लोगों की सहभागिता इस संदेश को मजबूत करती दिखी।राजनीतिक चर्चाओं को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने स्पष्ट किया कि यह आयोजन केवल धार्मिक आस्था से जुड़ा है, इसे किसी प्रकार के शक्ति प्रदर्शन के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। वहीं विधायक रमेश चंद्र मिश्र ने धर्म की रक्षा में भगवान परशुराम के योगदान पर प्रकाश डाला प्रतिमा अनावरण के इस अवसर पर राजनीतिक सीमाओं से परे हटकर विभिन्न जन प्रतिनिधि एक साथ नजर आए वक्ताओं ने एक स्वर में कहा की कुल्हनामऊ का यह जमदग्निपुरम पार्क न केवल पर्यटन का केंद्र बनेगा बल्कि युवाओं को धर्म और पुरुषार्थ की सीख भी देगा वहीं विधायक बदलापुर ने सोशल मीडिया पर हो रही आलोचनाओं पर उन्होंने कहा कि जनता स्वयं सही-गलत का निर्णय करेगी। आयोजन की सफलता में कई लोगों का योगदान रहा, जिसमें परमिशन से लेकर कार्यक्रम की रूपरेखा तक विभिन्न स्तरों पर सहयोग मिला। आयोजकों ने बताया कि भविष्य में इस स्थल को परशुराम चौक या परशुराम पार्क के रूप में विकसित करने की योजना है। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, गणमान्य व्यक्तियों सहित हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। जिससे पूरा क्षेत्र भक्ति और उत्साह के रंग में रंगा नजर आया। इस मौके पर विधायक इंद्र प्रताप तिवारी खब्बू, मंत्री गिरीश चंद्र यादव, नगरपालिका अध्यक्ष मौर्या, उद्योगपति ज्ञानप्रकाश सिंह, पूर्व ब्लाक प्रमुख राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पं श्रीपति उपाध्याय, जिलाध्यक्ष भाजपा अजीत प्रजापति, पूर्व जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह, राजा सिंगरामऊ शिवबाबा, कार्यक्रम की देखरेख में बृजेश तिवारी रहे।

बाइक की टक्कर से अधेड़ की मौत, युवक गंभीर

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। वाराणसी के चोलापुर थाना क्षेत्र के कटहलगंज चौराहे पर सोमवार दोपहर दर्दनाक सड़क हादसे में एक अधेड़ की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर मारने वाला बाइक सवार मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मिजार्पुर जनपद के कछवां (पाहो) निवासी जोगिंदर विश्वकर्मा (55) मुंबई में कारपेंटर का कार्य करते थे। वह अपने पुत्र की शादी तय करने के सिलसिले में चोलापुर क्षेत्र के मुरेरी गांव आए थे। उनके साथ वाराणसी के पांडेयपुर-दौलतपुर निवासी रिश्तेदार बुद्धिमान विश्वकर्मा भी मौजूद थे। विवाह की बातचीत पूरी कर दोनों बेला-पहाड़िया मार्ग से लौटते हुए चौबेपुर थाना क्षेत्र के मुनारी (पांडेय के पूरा) स्थित ससुराल जा रहे थे। इसी दौरान जैसे ही वे कटहलगंज चौराहे पर पहुंचे, बाबतपुर की ओर से तेज रफ्तार और अनियंत्रित बाइक सवार ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में जोगिंदर विश्वकर्मा और पीछे बैठे बुद्धिमान विश्वकर्मा गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को तत्काल चोलापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जोगिंदर को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल बुद्धिमान विश्वकर्मा की हालत नाजुक देखते हुए उन्हें पंडित दीनदयाल राजकीय चिकित्सालय रेफर किया गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए बीएचयू ट्रामा सेंटर भेज दिया गया। उनकी स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद टक्कर मारने वाला बाइक सवार अपनी बाइक सहित मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। आसपास के लोगों से पूछताछ के साथ ही फरार आरोपी की तलाश की जा रही है।

मुंबई जिला स्तरीय तायक्वांडो प्रतियोगिता उत्साह के साथ संपन्न

-आदेश मिश्र

मुंबई। अंधेरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 18 और 19 अप्रैल को आयोजित मुंबई जिला स्तरीय तायक्वांडो प्रतियोगिता उत्साह और भव्यता के साथ संपन्न हुई। इस प्रतियोगिता में लगभग 500 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया, वहीं 12 से 13 विभिन्न अकादमियों के कोच भी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में फाइट और पुमसे वर्गों में खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कुल मिलाकर प्रतियोगिता का स्तर काफी उच्च दर्जे का रहा, ऐसा उपस्थित लोगों ने बताया।

ओवरऑल चैंपियनशिप में जयेश ट्रेनिंग क्लासेस ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि सिद्धकला तायक्वांडो अकैडमी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। ह्यफाइटह्न वर्ग में एस डब्ल्यू एस ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जयेश ट्रेनिंग क्लासेस द्वितीय, सिद्धकला तायक्वांडो अकैडमी तृतीय, तथा स्काय मार्शल आर्ट अकैडमी ने चतुर्थ स्थान हासिल किया। पुमसे वर्ग में जयेश ट्रेनिंग क्लासेस ने प्रथम, सिद्धकला तायक्वांडो अकैडमी ने द्वितीय, और स्काय तायक्वांडो अकैडमी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के उत्कृष्ट आयोजन के लिए सभी सहभागी अकादमियों ने आयोजकों का आभार व्यक्त किया। विशेष रूप से जयेश वेल्हाळ के सुनियोजित प्रबंधन की सराहना की गई। इस प्रतियोगिता में मुंबई जिला तायक्वांडो संघ के सचिव विजय कांबळे का महत्वपूर्ण योगदान रहा। वहीं अध्यक्ष सुनील यमगर ने सभी विजेता खिलाड़ियों, पदाधिकारियों और अकादमी प्रतिनिधियों को बधाई देते हुए आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं।

श्री नीलकंठेश्वर मंदिर पर भगवान परशुराम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

मुंबई। विक्रोली पार्कसाईट के वर्षानगर स्थित श्री नीलकंठेश्वर मंदिर में ब्राह्मण एकता महासभा द्वारा अक्षय तृतीया के अवसर पर भगवान परशुराम जन्मोत्सव का भव्य आयोजन धूमधाम से मनाया गया। श्रद्धा, आस्था और धार्मिक उत्साह से ओत-प्रोत इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और पूरे परिसर में जय श्री परशुराम के जयघोष गूंजते रहे। कार्यक्रम की शुरूआत भगवान शिव की आराधना एवं भगवान परशुराम जी की प्रतिमा के विधि-विधान से पूजन-अर्चन और माल्यार्पण के साथ हुई। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने अपने संबोधन में भगवान परशुराम के आदर्शों पर प्रकाश डाला तथा वर्तमान समय में ब्राह्मण समाज के समक्ष मौजूद चुनौतियों पर विचार व्यक्त किए। साथ ही समाज की एकता, उत्थान और संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया गया। वक्ताओं ने समाज में सुख-समृद्धि, शांति और न्यायपूर्ण व्यवस्था की कामना करते हुए भविष्य में इस कार्यक्रम को और भव्य रूप से आयोजित करने का भी संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल (रिंकू) और रामश्रृंगार उपाध्याय, सर्वदेव पांडेय, दिवाकर मिश्र, पं. हर्षचरित्र पांडेय, संजय मिश्रा, विमलेश मिश्र, मनीकेश तिवारी, संयोजक संदीप त्रिपाठी, अरविंद शुक्ला, नीरज उपाध्याय, दीपु तिवारी, नीलम पांडेय, कृष्ण कुमार त्रिपाठी, सुशील मिश्रा, अजय पांडेय, विशेष कार्यकारी अधिकारी व पत्रकार आदेश मिश्र, अवधेश तिवारी,जंगबहादुर यादव, पत्रकार सुनील पांडेय,राजेश पांडेय, संजय पांडेय सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित होकर आयोजन सफल बनाया। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों का अंगवस्त्र एवं श्री हनुमान चालीसा भेंटकर स्वागत व सम्मान किया गया।

ऑस्ट्रेलिया निवासी राज पाण्डेय ने दैनिक उत्तर शक्ति के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा से की शुभेच्छा भेंट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ऑस्ट्रेलिया निवासी राज राधेश्याम पांडे अपने निजी प्रवास पर अपनी मातृभूमि प्रतापगढ़ विकास खण्ड पट्टी ग्राम सुमतपुर में में ठहरे हुए हैं। बता दें इनका ननिहाल विकास खण्ड सुजानगंज गांव रोहियांव है। राज पांडे दिनांक 20 अप्रैल 2026 को दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा का हालचाल और स्वस्थ के बारे जानकारी लेने उनके आवास जनपद जौनपुर विकास खंड मछली शहर, पोस्ट पवारा बाजार पहुंचने पर दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा से शुभेच्छा भेंट की।

बता दें दिनांक 2 फरवरी 2026 को पैर और कमर में फ्रेक्चर होने के कारण तत्काल मुंगरा बादशाहपुर रुची अस्पताल में लाया गया। जहां से डॉ दीपक चौरसिया ने हालात को देखते हुए प्रयागराज रेफर कर दिया। प्रयागराज के प्रीती नर्सिंग होम में दिनांक 5 फरवरी को डॉ प्रमोद कुमार सिंह (पी के सिंह) आर्थो सर्जन ने सफल आप्रेशन किया। उनके स्वास्थ्य संबंधी जानकारी लेने पहुंचे ऑस्ट्रेलिया निवासी राज पाण्डेय, शिक्षक प्रेम शंकर मिश्रा, पाण्डे पुर निवासी विद्या शंकर यादव भी साथ में पहुंचे और प्रेम चंद मिश्रा का हालचाल जाना तथा शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करें ईश्वर से प्रार्थना की ।

सड़क बनी बाधा: खेतों तक पहुंच ठप, ग्रामीण महिलाओं ने तहसील घेरा

ठेकेदार पर लापरवाही का आरोप, किसानों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन; वैकल्पिक मार्ग और पुल निर्माण की मांग

शाहगंज ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज क्षेत्र की महत्त्वाकांक्षी बाईपास परियोजना एनएच-135 अब विवादों में घिरती नजर आ रही है। सोमवार को ग्राम अक्खीपुरपुर की बड़ी संख्या में महिला ग्रामीणों ने तहसील पहुंचकर प्रदर्शन किया और एसडीएम कुणाल गौरव को ज्ञापन सौंपते हुए समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि एनएच-135 का निर्माण गांव के बीचों-बीच खेतों से होकर किया गया है। सड़क निर्माण से उन्हें कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन खेतों के बीच से सड़क गुजरने के कारण किसानों की अपने खेतों तक पहुंच बाधित हो गई है। ठेकेदार द्वारा कोई वैकल्पिक मार्ग या रास्ता नहीं छोड़ा गया है, जिससे किसानों को कई किलोमीटर पैदल चलकर खेतों तक जाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि ट्रैक्टर-ट्रॉली जैसे कृषि उपकरण भी खेतों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं, जिससे खेती-बाड़ी का कार्य प्रभावित हो रहा है। इस स्थिति में कई किसान खेती करने से वंचित हो रहे हैं और उनकी आजीविका पर संकट खड़ा हो गया है। प्रदर्शन के दौरान लव कुश यादव, मुकेश, राधेश्याम यादव, राहुल यादव, कैलाश यादव सहित अन्य ग्रामीणों ने एसडीएम से मांग की कि किसानों की सुविधा के लिए मार्ग या पुल का निर्माण कराया जाए, ताकि वे सुगमता से अपने खेतों तक पहुंच सकें। इस मौके पर उर्मिला यादव, आरती, बंदना, विमला, सरिता यादव, सरोजा देवी, संगीता देवी, यशोदा, अनीता, अरुण यादव, विद्या देवी, सुमित्रा, आरती देवी, केवला देवी, मालती देवी, इंद्रावती देवी समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहीं।

सीबीआई करेगी अस्मिता मिश्रा हत्याकांड की जांच, हाई कोर्ट ने दिया आदेश

मुंबई। मुंबई के प्रसिद्ध समाजसेवी अमर मिश्रा की बेटी अस्मिता मिश्रा की हत्या के मामले की जांच अब केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) करेगी। बॉम्बे हाई कोर्ट के न्यायाधीश द्वय सारंग कोतवाल और संदेश पाटिल की खंडपीठ ने 16 अप्रैल को इस आशय का आदेश सीबीआई को दिया। अमर मिश्रा मुंबई के उपनगर मालाड में रहते हैं। उनकी पुत्री अस्मिता मिश्रा (26) की शादी ठाणे जिले के मीरा रोड में रहने वाले मनीष मिश्रा के बेटे अभय मिश्रा के साथ 20 नवंबर 2021 को हुई थी। 12 मई 2022 को गौना हुआ था। गौने के बाद से ही मनीष मिश्रा अमर मिश्रा से उनके मीरा रोड के फ्लैट को अभय मिश्रा के नाम पर कर देने की ज़िद करने लगा। बहाने से 35 लाख रुपए कीमत का डायमंड भी मांगने लगा। इसको लेकर पूरा परिवार अस्मिता को प्रताड़ित करने लगा। अस्मिता का गर्भपात भी करवा दिया।

22 फरवरी 2023 को अस्मिता ने फोन कर अमर मिश्रा को बताया कि ससुराल वालों ने उसकी पिटाई कर दी है। वे तलाक माँग रहे हैं। अमर मिश्रा ने पत्नी सहित अस्मिता से उसके ससुराल जाकर मुलाकात की तब माफी मांग कर शांत कर दिया। इस बीच 24 फरवरी 2023 को अभय मिश्रा ने अमर मिश्रा को सूचित किया कि अस्मिता ने फाँसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। अस्मिता को वॉकहार्ट हॉस्पिटल मीरा रोड लाया है, पंडित भीमसेन जोशी जनरल अस्पताल में पोस्टमार्टम हुआ। अमर मिश्रा रिश्तेदारों के साथ अस्पताल पहुंचे तो अस्मिता के शरीर पर चोट के निशान दिखे। शव की फोटो लेने लगे तो पति अभय मिश्रा ने धमकाया कि इसका परिणाम बुरा होगा। इधर काशीमीरा पुलिस स्टेशन का सीनियर इंस्पेक्टर संदीप कदम ADR लिखकर शांत बैठ गया था। वह अमर मिश्रा का कोई तर्क सुन ही नहीं रहा था। सोशल मीडिया पर अपील कर अमर मिश्रा ने 27 फरवरी 2023 को काशीमीरा पुलिस स्टेशन पर मोर्चा निकाल दिया। तब संदीप कदम ने आईपीसी की धारा 304(बी), 306, 420, 406, 313, 323, 498(ए), 504, १/६ 34, 3 और 4 के तहत एफआईआर (संख्या-147/2023) दर्ज कर ससुर मनीष मिश्रा, सास प्रेमलता मिश्रा, ननद पायल मिश्रा, ननद पूर्णिमा मिश्रा और देवर जयराज मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया। पति अभय मिश्रा को बॉम्बे हाई कोर्ट से गिरफ्तारी पूर्व जमानत मिल गई। अमर मिश्रा चाहते थे कि आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज हो। परिस्थितियाँ बताती थीं कि यह स्पष्ट रूप से हत्या है। जैसे कि परिवार ने बताया था कि वे दरवाजा तोड़कर कमरे में गए। परंतु दरवाजा टूटने का कोई प्रमाण नहीं मिला। अस्मिता ने जिस ओढ़नी से फाँसी लगाई थी वह पंखे पर लटकी मिली जबकि पंचनामा में पुलिस ने लिखा कि वह बेड पर थी। अस्मिता के शव का पोस्टमार्टम करने वाली डॉक्टर तेजश्री सोनवणे ने लिखा था कि उसने सुबह 9.30 बजे से 10.30 बजे के बीच पोस्टमॉर्टम किया, जबकि बायोमीट्रिक अटेंडेंस सुबह 9.51.04 बजे आई थी। पूरे मामले में ऐसी बहुत सी विसंगतियां मिलीं। अमर मिश्रा ने एडवोकेट घनश्याम उपाध्याय (लॉ ज्यूरिस) के मार्फत मामले की सीबीआई जाँच करवाने की मांग को लेकर बॉम्बे हाई में पिटीशन दाखिल कर दी। बॉम्बे हाई कोर्ट ने शुरूआत में ऑर्डर पास किया कि मामले की जाँच जे.जे. अस्पताल के सीनियर डॉक्टर से करायें। जे. जे. अस्पताल ने सीनियर डॉक्टर के बजाय जूनियर डॉक्टर से जांच करवा दी। उधर डॉक्टर तेजश्री सोनवणे कहती रही कि वह पोस्टमार्टम करना नहीं जानती। जूनियर डॉक्टर ने जांच रिपोर्ट में बताया कि यह आत्महत्या का मामला है। वकील घनश्याम उपाध्याय के युक्तिवाद से प्रेरित बॉम्बे हाई कोर्ट ने मामले को सीबीआई के सुपुर्द कर दिया।

किशोरी की आत्महत्या के लिए दोषी आरोपी युवक पर मुकदमा दर्ज

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद क्षेत्र के अहमदपुर गांव निवासी 16 वर्षीय किशोरी की आत्महत्या के मामले में दोषी आरोपी युवक पर मुकदमा दर्ज किया गया ।युवक को गिरफ्तार क रने के लिए पुलिस दबिश दे रही है। ज्ञात हो रविवार को उक्त गांव निवासी आरती सोनकर पुत्री मुन्ना सोनकर ने जहर खा लिया था ।उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी थी ।किशोरी पड़ोस के नाथुपुर रामनगर गांव की दलित बस्ती निवासी नीरज कुमार पुत्र राधेश्याम से प्यार करती थी ।नीरज ने आरती के बार बार कहने के बाद भी शादी से इंकार कर दिया ।जिससे आरती ने जहर खाकर आत्महत्या कर लिया ।इस मामले में आरती की माँ परमशीला सोनकर ने नीरज कुमार पुत्र राधेश्याम के विरुद्ध तहरीर दिया ।पुलिस ने आरोपी पर मुकदमा दर्ज कर लिया ।थानाध्यक्ष श्रीप्रकाश शुक्ल ने बताया कि आरोपी युवक को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस की टीम दबिश दे रही है ।जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

नारी शक्ति एवं महिला अधिकारों के समर्थन में भाजपा महिला मोर्चा का आक्रोश मोर्चा आज

मुंबई। भारत की नारी अब अपने संवैधानिक अधिकारों के प्रति पूरी तरह सजग, जागरूक और संकल्पित हो चुकी है। नारी शक्ति के सम्मान और अधिकारों के विरुद्ध खड़े होने वालों को अब करारा जवाब देना समय की मांग है। जिन लोगों ने नारी शक्ति वंदन विधेयक का विरोध किया है, उन्हें यह स्पष्ट संदेश देना आवश्यक है कि देश की बेटियाँ अब चुप नहीं बैठेंगी। इसी संदर्भ में मुंबई में भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष योजना ताई, विधायक अमित साटम, उपाध्यक्ष रंजु झा एवं महिला मोर्चा की टीम ने प्रदेश कार्यालय, मुंबई में महाराष्ट्र भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण से मुलाकात की। इस बैठक में प्रस्तावित आक्रोश मोर्चा की विस्तृत जानकारी साझा की गई। भाजपा मुंबई महिला मोर्चा के नेतृत्व में, विशेष रूप से योजना ताई और अमित साटम के मार्गदर्शन में, 21 अप्रैल को एक विशाल आक्रोश मोर्चा आयोजित किया जाएगा। इस मोर्चे में बड़ी संख्या में महिलाएं एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद करेंगी। महिला मोर्चा ने यह संकल्प लिया है कि इस विरोध प्रदर्शन को ऐतिहासिक बनाया जाएगा, जिसमें महिलाओं की व्यापक भागीदारी ही इसकी सबसे बड़ी ताकत होगी। यह आंदोलन न केवल महिला अधिकारों की रक्षा का प्रतीक बनेगा, बल्कि समाज में नारी शक्ति के सम्मान को और अधिक सशक्त करेगा।

वसई-विरार के विकास को नई गतिः रो-रो सर्विस और फिशरीज ट्रेनिंग सेंटर पर महत्वपूर्ण बैठक

वसई-विरार। वसई-विरार क्षेत्र के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए, विधायक श्रीमती स्नेहा ताई दुबे-पंडित की पहल पर सोमवार, 20 अप्रैल 2026 को मंत्रालय में महाराष्ट्र राज्य के मत्स्य एवं बंदरगाह मंत्री श्री नितेश राणे की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में क्षेत्र से जुड़े दो प्रमुख मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई– वसई में अत्याधुनिक फिशरीज ट्रेनिंग सेंटर की स्थापना और नायगांव (ईस्ट) से घोड़बंदर के बीच रो-रो सर्विस की शुरूआत।

वसई तालुका पारंपरिक मछली पालन के लिए प्रसिद्ध है और यहां हजारों परिवार इस व्यवसाय पर निर्भर हैं। विधायक श्रीमती स्नेहा दुबे-पंडित ने इस क्षेत्र के आधुनिकीकरण और युवाओं को कौशल-आधारित रोजगार उपलब्ध कराने के लिए एक आधुनिक प्रशिक्षण केंद्र की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रस्तावित केंद्र में आधुनिक मछली पालन तकनीक, हैचरी प्रबंधन, केज कल्चर, सजावटी मछली पालन, मछली संरक्षण, प्रोसेसिंग एवं पैकेजिंग, कोल्ड चेन मैनेजमेंट, रेडी-टू-ईट उत्पाद निर्माण तथा समुद्री सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि क्रूज शिपिंग सेक्टर में रोजगार के लिए आवश्यक प्रशिक्षण सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध न होने के कारण युवाओं को अन्य राज्यों में जाना पड़ता है। इस केंद्र के माध्यम से न केवल युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे, बल्कि महिला स्वयं सहायता समूहों को भी प्रोसेसिंग उद्योग में भागीदारी का अवसर मिलेगा, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

बैठक में मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर बोरीवली-विरार के बीच बढ़ते ट्रैफिक जाम की समस्या पर भी चर्चा की गई। इस संदर्भ में नायगांव (जूचंद्रा) से घोड़बंदर के बीच रो-रो सर्विस शुरू करने का प्रस्ताव रखा गया, जिससे यातायात का दबाव कम होगा और समय एवं ईंधन की बचत होगी। मंत्री नितेश राणे ने वसई में फिशरीज ट्रेनिंग सेंटर के लिए तत्काल स्थान चिन्हित करने के निर्देश दिए और मुख्यमंत्री फिशरीज फंड योजना के तहत आवश्यक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। साथ ही, परियोजना के प्रभावी क्रियान्वयन और स्थानीय लोगों को अधिकतम लाभ सुनिश्चित करने के लिए एक समन्वयक नियुक्त करने के निर्देश भी दिए गए। इसके अतिरिक्त, मंत्री ने नायगांव (ईस्ट) से घोड़बंदर के बीच रो-रो सर्विस को शीघ्र प्रारंभ करने का भरोसा भी दिलाया। विधायक श्रीमती स्नेहा ताई दुबे-पंडित के निरंतर प्रयास वसई-विरार के बुनियादी ढांचे, परिवहन व्यवस्था और पारंपरिक व्यवसायों को आधुनिक रूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होंगे।

द बॉडी शॉप ने नया रिट्रैक्टेबल काजल लॉन्च किया

मुंबई। ब्रिटेन में जन्मे एथिकल ब्यूटी ब्रांड द बॉडी शॉप ने बिल्कुल नया रिट्रैक्टेबल काजल लॉन्च किया है। आंखों को परिभाषित करने और उन्हें और गहरा दिखाने के लिए बना यह हाई-परफॉर्मेंस उत्पाद, आधुनिक नवाचार के जरिए भारतीय सौंदर्य की पुरानी परंपराओं को नए अंदाज में पेश करता है। यह लॉन्च द बॉडी शॉप की उस प्रतिबद्धता का हिस्सा है जिसके तहत वह भारतीय उपभोक्ताओं की जरूरतों और पसंद के हिसाब से खास उच्च-गुणवत्ता वाले उत्पाद बनाती है। इस काजल की बनावट मुलायम और हल्की है, जो बिना खिंचाव के आसानी से लगती है और सटीक तरीके से लगाई जा सकती है, चाहे हल्का लुक चाहिए हो या बोल्ड। इसका फॉमूर्ला एक ही बार में गहरा काला रंग देता है और इसे 24 घंटे तक टिके रहने के लिए तैयार किया गया है। यह पूरी तरह वाटरप्रूफ, स्मज-प्रूफ और ट्रांसफर-प्रूफ है, जो सुबह से रात तक भरोसेमंद फिनिश देता है। विटामिन ई, कैरट सीड ऑयल और बिसाबोलॉल ऑयल से भरपूर यह फॉमूर्ला आंखों के नाजुक हिस्से को पोषण देता है। नेत्र विशेषज्ञों और त्वचा विशेषज्ञों द्वारा इसका परीक्षण किया गया है, जिससे यह कॉन्टैक्ट लेंस पहनने वालों के लिए भी उपयुक्त है और रोजाना इस्तेमाल के लिए सुरक्षित है। क्वेस्ट रिटेल के ग्रुप सीईओ राहुल शंकर ने कहा, भारत हमारे लिए एक रणनीतिक प्राथमिकता वाला बाजार बना हुआ है और यह लॉन्च यहां गहरी स्थानीय प्रासंगिकता बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। भारतीय सौंदर्य बाजार में काजल का एक अटूट स्थान है और इस उत्पाद के जरिए हम अपनी वैश्विक विशेषज्ञता को स्थानीय समझ के साथ जोड़ रहे हैं। भारत में तैयार और निर्मित यह उत्पाद हमारे ग्राहकों के लिए खास तौर पर बनाए गए हाई-परफॉर्मेंस और सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक नवाचार की दिशा में एक मजबूत कदम है। इस लॉन्च के साथ द बॉडी शॉप ने परंपरा और नवाचार के मेल का जश्न मनाना जारी रखा है और यह ऐसे उत्पाद लेकर आता है जो स्थानीय सौंदर्य परंपराओं से जुड़ते हैं और साथ ही भरोसेमंद, उच्च-प्रदर्शन वाले नतीजे देते हैं।

तत्काल वैक्सीन का स्टॉक उपलब्ध कराया जाय : महेश सरवणकर

वसई-विरार। वसई-विरार नगर निगम (विवि सीएमसी) के स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न अस्पतालों में पिछले एक महीने से रोटावायरस वैक्सीन उपलब्ध नहीं है। वैक्सीन की कमी के कारण छोटे बच्चों को लेकर आने वाले अभिभावकों को बार-बार अस्पतालों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। समय पर टीका न मिलने से अभिभावकों में चिंता और रोष का माहौल है।

भारतीय जनता पार्टी, वसई रोड मंडल के अध्यक्ष , नगरसेवक महेश सरवणकर ने इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए वसई-विरार नगर निगम के आयुक्त से अस्पतालों में तत्काल रोटावायरस वैक्सीन का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध कराने की मांग की है। रोटावायरस वैक्सीन छोटे बच्चों में होने वाले गंभीर डायरिया (अतिसार) और उल्टी को रोकने के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस वैक्सीन का मुख्य उद्देश्य पांच साल से कम उम्र के बच्चों में संक्रमण के कारण होने वाले दस्त और निर्जलीकरण को रोकना है। यह वैक्सीन बच्चे को 6 सप्ताह, 10 सप्ताह और 14 सप्ताह (डेढ़, ढाई और साढ़े तीन महीने) के अंतराल पर तीन खुराक में दी जाती है। पहला डोस 6 हफ्ते के भीतर और अंतिम डोस 8 महीने की उम्र से पहले देना अनिवार्य होता है।भारत सरकार के राष्ट्रीय टीकाकरण अभियान के तहत यह वैक्सीन सरकारी अस्पतालों में मुफ्त उपलब्ध कराना अनिवार्य है। महेश सरवणकर ने अपने निवेदन में कहा है कि वैक्सीन समय पर न मिलने से बच्चे गंभीर बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया है कि इस मामले में तुरंत संज्ञान लिया जाए और नगर निगम के सभी अस्पतालों में वैक्सीन की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि बच्चों का स्वास्थ्य सुरक्षित रहे और अभिभावकों को हो रही असुविधा समाप्त हो सके।

मिट्टी लदी ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आने से बालक की मौत, परिजनों मे मचा कोहराम

चालक ट्रैक्टर छोड़कर हुआ फरार, पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेजा

शाहगंज ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)।कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत मडवां गांव में गांव स्थित दुकान पर सामान लेने जा रहें एक बालक की मिट्टी से लदी ट्रैक्टर की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद परिजनो ने आनन-फानन में इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने बालक को मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर सुनकर परिजनों मे मचा कोहराम। वही मौके से चालक ट्रैक्टर छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। क्षेत्र के मड़वा गांव निवासी पवन प्रजापति का 10 वर्षीय बेटा अंश उर्फ दुर्गेश सोमवार की दोपहर घर का सामान लेने गांव स्थित किराने की दुकान पर पैदल जा रहा था ।उसी दौरान डोमनपुर की तरफ से मिट्टी लदी आ रहे ट्रैक्टर की चपेट में आने गंभीर रूप से घायल हो गया। शोरशराबे की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे परिवार के लोगों ने उपचार के लिए राजकीय चिकित्सालय में लाएं। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर सुनकर परिजनों मे मचा कोहराम। वही चालक मौके से ट्रैक्टर छोडकर फरार हो गया। इस संबंध में पूछे जाने पर प्रभारी निरीक्षक तेज बहादुर ने बताया कि मामला संज्ञान में है विधिक कार्यवाई की जा रही है।

उत्तर भारतीय बिहार फ्रंट की मुंबई के तत्वावधान में बैठक का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उत्तर भारतीय बिहार फ्रंट, मुंबई के तत्वावधान में सायन-धारावी क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता सिराज शेख ने की। इस अवसर पर उत्तर भारत, विशेषकर बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड से आए लोगों को एकजुट करने पर विस्तृत चर्चा की गई। संस्था के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र यादव ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि संगठन का उद्देश्य महाराष्ट्र, विशेष रूप से मुंबई में रह रहे बिखरे हुए उत्तर भारतीयों को एक मंच पर लाना है। उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा विभिन्न जिलों में जाकर लोगों को जोड़ने का कार्य निरंतर किया जा रहा है।

बैठक में उपस्थित सदस्यों ने अपने-अपने विचार साझा किए और सभी ने एकजुट होकर उत्तर भारतीय समाज के सहयोग और उत्थान के लिए कार्य करने पर जोर दिया। विशेष रूप से टैक्सी चालक, पेपर वितरक, दूध विक्रेता, सब्जी विक्रेता सहित विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के हितों और सहयोग पर चर्चा की गई। बैठक में सभी प्रतिभागियों को अपनी बात रखने का अवसर दिया गया, जिससे संगठन को और मजबूत बनाने की दिशा में सकारात्मक विचार सामने आए। इस अवसर पर प्रमुख रूप से उपस्थित लोगों में राजेंद्र यादव, डी.एन. यादव, इकबाल अंसारी, मेनका कुमारी, मोहम्मद मसूर आलम, मोतीलाल यादव, सरफराज अंसारी, राम प्रकाश पासवान, सुभाष यादव (कोलाबा), रजनी यादव, आमिर

मुंबई कॉसप्ले कम्युनिटी कॉसप्ले 101 वर्कशॉप में हिस्सा लेने के लिए एक साथ आई

मुंबई। कॉमिक कॉन इंडिया द्वारा आयोजित कॉसप्ले 101 वर्कशॉप में मुंबई की कॉसप्ले कम्युनिटी अपने कौशल को बेहतर बनाने के लिए बड़ी संख्या में एक साथ आई। यह प्रैक्टिकल कॉसप्ले वर्कशॉप रविवार को अंधेरी वेस्ट स्थित स्तंभ ग्लोबल ब्रेवरी में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में 150 से अधिक फैन्स ने भाग लिया और एक इमर्सिव लर्निंग के अनुभव का हिस्सा बने। इस दौरान प्रतिभागियों ने लाइव डेमो, प्रत्यक्ष मार्गदर्शन और भारत के कुछ प्रसिद्ध कॉसप्ले आर्टिस्ट्स से मिले प्रशिक्षण के माध्यम से अपने कॉसप्ले स्किल्स को और बेहतर बनाया। यह वर्कशॉप इंडियन चैंपियनशिप ऑफ कॉसप्ले दो बार जीत चुके अक्षय चुरी के नेतृत्व में आयोजित की गई। उनके साथ कॉसप्ले आर्टिस्ट तेजल मुलिक और जीत मोलांकर भी मौजूद थे। इस वर्कशॉप में प्रतिभागियों को कॉसप्ले बनाने की पूरी प्रक्रिया के बारे में विस्तार से समझाया गया, जिसमें सही कॉस्ट्यूम चुनना, जरूरी सामग्री इकट्ठा करना, टेक्सचर डिटेलिंग सीखना और किसी किरदार में पूरी तरह ढलने की प्रक्रिया शामिल थी। इसके अलावा सत्र में कॉस्ट्यूम बनाना, फोम से प्रॉप्स तैयार करना, प्रोफेशनल वीएफएक्स मेकअप और विग स्टाइलिंग जैसी चीजें भी सरल तरीके से सिखाई गईं।

वर्कशॉप के बारे में बात करते हुए अक्षय चुरी ने कहा यह एक बहुत ही मजेदार और इंटरएक्टिव सेशन था। हमने कॉस्प्लेइंग के स भी कॉन्सेप्ट्स समझाए आर्मर बनाने से लेकर सिलाई, मेकअप और विग तक। यह एक इंटरएक्टिव सेशन था जिसमें हमें कई नए कॉस्प्लेयर्स से बातचीत करने का मौका मिला और उनकी समस्याओं को हल करने में मदद कर सके। कुल मिलाकर यह एक बहुत ही शानदार अनुभव था और हमें उम्मीद है कि आगामी मुंबई कॉमिक कॉन में और भी ज्यादा कॉस्प्लेयर्स देखने को मिलेंगे। मेंटर्स ने आसान तरीके से स्टेप-बाय-स्टेप एडवांस्ड टेक्नीक भी समझाईं। इसमें बताया गया कि मेटालिक लुक कैसे तैयार किया जाए, लड़ाई में इस्तेमाल हुए जैसे दिखने वाले रियलिस्टिक प्रॉप्स कैसे बनाए जाएं, गहराई (डेप्थ) लाने के लिए हाइलाइट्स और शैडोज का सही इस्तेमाल कैसे किया जाए, और वीएफएक्स से प्रेरित मेकअप को कैसे परफेक्ट किया जाए। इस वर्कशॉप में सिर्फ लुक पर ही नहीं, बल्कि परफॉर्मेंस स्किल्स पर भी ध्यान दिया गया, जिससे प्रतिभागियों को केवल दर्शक बने रहने के बजाय अपने पसंदीदा किरदारों को और अधिक प्रोफेशनल और सटीक तरीके से जीवंत रूप में पेश करने की प्रेरणा मिली।

इस कार्यक्रम ने प्रतिभागियों के बीच सहयोग, सीखने के अवसर और क्रिएटिविटी को बढ़ाया। इससे मुंबई की उत्साही कॉसप्ले कम्युनिटी और मजबूत हुई और आगे आने वाले समय में और बड़े कॉसप्ले इवेंट्स के लिए मंच तैयार हुआ । ये कॉसप्ले आर्टिस्ट अब 9-10 मई 2026 को जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में होने वाले मुंबई कॉमिक कॉन में अपनी बेहतरीन कला का प्रदर्शन करेंगे।

बोरे के अभाव में केराकत क्षेत्र में गेहूं खरीद ठप, किसान परेशान

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत ब्लॉक क्षेत्र में इन दिनों गेहूं खरीद पूरी तरह प्रभावित हो गई है। अधिकांश क्रय केंद्रों पर बोरे की कमी के चलते खरीद कार्य ठप पड़ा हुआ है, जिससे किसानों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र के भैरोभानपुर, लुत्तीपुर, सबहदीपुर और बसगित समेत कई गांवों में स्थित गेहूं क्रय केंद्रों पर बोरे उपलब्ध नहीं हैं। इसके कारण किसान अपनी उपज बेचने के लिए केंद्रों का चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ रहा है। भीषण गर्मी के बीच किसान जब गेहूं विक्रय की जानकारी लेने केंद्रों पर पहुंचते हैं, तो वहां मौजूद अधिकारी बोरे की कमी का हवाला देकर उन्हें लौटा देते हैं। इससे किसानों में रोष और चिंता दोनों बढ़ती जा रही है। किसानों का कहना है कि यदि जल्द ही बोरे की व्यवस्था नहीं की गई, तो उनकी फसल खराब होने का खतरा बढ़ जाएगा। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि शीघ्र ही पर्याप्त मात्रा में बोरे उपलब्ध कराकर गेहूं खरीद शुरू कराई जाए, ताकि उन्हें राहत मिल सके।

पटना में बजाज पल्सर एन160 का सिंगल सीट यूएसडी वेरिएंट अब 1,20,300 रुपये में उपलब्ध

पटना। दुनिया की सबसे वैल्यूएबल टू- और थ्री-व्हीलर मैन्युफैक्चरर कंपनी बजाज ऑटो लिमिटेड ने आज पटना में पल्सर एन160 सिंगल सीट यूएसडी वेरिएंट के लिए विशेष कीमत की घोषणा की। यह मोटरसाइकिल अब 1,20,300 रुपये (एक्स-शोरूम पटना) की नई कीमत पर उपलब्ध है, जिसमें लगभग 5,200 रुपये की कमी की गई है। यह कदम स्पोर्ट्स मोटरसाइक्लिंग को अधिक से अधिक युवाओं तक पहुँचाने की बजाज ऑटो की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

ब्रिज बियॉन्ड द टेबल पहल के साथ पार्क्सन्स काटामुंडी ने बच्चों को ब्रिज से जोड़ने की नई शुरूआत की

डहाणू। प्लेइंग कार्ड्स और कार्ड गेम्स के क्षेत्र में भारत की अग्रणी कंपनी पार्क्सन्स काटामुंडी ने ब्रिज बियॉन्ड द टेबल नाम से अपनी तरह की पहली और अनोखी पहल शुरू की है। यह तीन दिवसीय कार्यक्रम 17 से 19 अप्रैल 2026 तक डहाणू स्थित टैमारिंड ट्री स्पोर्ट्स एकेडमी में आयोजित किया गया । कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के तहत शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य स्कूली बच्चों को 'ब्रिज' जैसे दिमागी खेल से परिचित कराना है। इस कार्यक्रम के जरिए बच्चों को खेल के माध्यम से रणनीति बनाना, टीम वर्क और तार्किक सोच विकसित करना सिखाया गया । पार्क्सन्स की यह कोशिश ताश के पत्तों को युवाओं के सशक्तिकरण के जरिए के रूप में पेश करती है।

इस तीन दिवसीय आयोजन के पहले दो दिन (17 और 18 अप्रैल) विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा वर्कशॉप आयोजित किया, जहाँ बच्चों को ब्रिज के नियम, बिडिंग और खेलने की बारीकियां सिखाई गया । उन्हें यह भी समझाया जा रहा है कि ब्रिज एक माइंड स्पोर्ट है, जो शतरंज की तरह सोचने और योजना बनाने की क्षमता को मजबूत करता है। इसमें टीमवर्क भी उतना ही अहम होता है क्योंकि यह खेल अकेले नहीं बल्कि जोड़ी में खेला जाता है।

पार्क्सन्स काटामुंडी के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर कपिल केजरीवाल ने कहा, हमारे लिए कार्ड्स सिर्फ एक प्रोडक्ट नहीं हैं, बल्कि सीखने, रणनीति बनाने और लोगों को जोड़ने का एक सशक्त जरिया हैं। ब्रिज बियॉन्ड द टेबल के जरिए हम उन समुदायों को कुछ लौटाने की कोशिश कर रहे हैं, जिन्होंने हमारे सफर में हमारा साथ दिया है। हम चाहते हैं कि नई पीढ़ी इस दिमागी खेल से जुड़े। हमारा उद्देश्य ब्रिज को देशभर के स्कूलों तक पहुँचाना है, ताकि यह खेल बच्चों की सोचने और खेलने की शैली में सकारात्मक बदलाव ला सके। इस आयोजन में खिलाड़ियों के लिए 50,000 की पुरस्कार राशि रखी गई थी, जिससे उनका उत्साह और बढ़ गया।

यह आयोजन डहाणू स्थित टैमारिंड ट्री द्वारा किया है, जो एक अनुभव-आधारित शिक्षण संस्थान है और स्थानीय आदिवासी बच्चों के साथ काम करता है। यहाँ पढ़ाई के साथ प्रकृति, खेल और समग्र विकास पर बराबर जोर दिया जाता है। स्कूल के दैनिक जीवन में खेल को एक सार्थक हिस्से के रूप में शामिल करने की टैमारिंड ट्री की सोच ही इस पहल की बुनियाद है। टैमारिंड ट्री की संस्थापक और आयोजनकर्ता मिशेल सी ने कहा, हम हमेशा मानते हैं कि असली सीख रटने से नहीं बल्कि अनुभव से आती है। अपने डहाणू कैंपस में ब्रिज बियॉन्ड द टेबल का आयोजन हमारे लिए एक सपना सच होने जैसा है।

इस आयोजन के शैक्षणिक हिस्से को संभव बनाने में अनंतविक्रम सोमानी की अहम भूमिका रही है, जो पार्क्सन्स काटामुंडी के बोनस ब्रांड के दूत हैं। उन्होंने ब्रिज समुदाय में अपने व्यापक नेटवर्क के जरिए अनुभवी प्रशिक्षकों को इस पहल से जोड़ा। यह पहल भारत के सबसे कम उम्र के और सफल ब्रिज खिलाड़ी अंशुल भट्ट से भी प्रेरित है, जिनकी उपलब्धियां बच्चों को दिखाती हैं कि लगन से इस खेल में कितनी ऊंचाइयों तक पहुँचा जा सकता है। इस पहल को ब्रिज फेडरेशन ऑफ इंडिया, महाराष्ट्र ब्रिज एसोसिएशन, पार्क्सन्स काटामुंडी और टैमारिंड ट्री स्कूल का समर्थन मिला है। ब्रिज फेडरेशन ऑफ इंडिया के मानद महासचिव देबाशीष रे ने कहा, बीएफआई को इस पहल का समर्थन करते हुए बेहद खुशी हो रही है।

ऑनलाइन नवरा नको गं बाई.. विषय पर जागरूकता व्याख्यान संपन्न

डोंबिवली। बदलती सामाजिक परिस्थितियों में ऑनलाइन विवाह संस्थाओं में बढ़ती ठगी, फर्जी पहचान और आपराधिक प्रवृत्तियों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से ऑनलाइन नवरा नको गं बाई... विषय पर एक प्रबोधनात्मक कार्यक्रम आयोजित किया गया। नेत्रा एंटरप्रायझेस के वुई मुक्ताह्न मंच और स्विफ्ट डिटेक्टिव एंड इन्वेस्टिगेशन्स के संयुक्त तत्वावधान में डोंबिवली स्थित शुभमंगल कार्यालय, दूसरी मंजिल, एवरेस्ट शॉपिंग सेंटर, बाटा शोरूम के ऊपर, स्टेशन के सामने, लोकमान्य चौक में यह कार्यक्रम हाल ही में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रिया काकड़े (संचालिका, स्विफ्ट डिटेक्टिव एंड इन्वेस्टिगेशन्स) ने महिलाओं को ऑनलाइन विवाह प्लेटफॉर्म से जुड़े जोखिम, ठगी के मामलों और उनसे बचाव के उपायों पर उदाहरण सहित मार्गदर्शन दिया। उन्होंने बताया कि कई बार फर्जी प्रोफाइल के माध्यम से महिलाओं की आर्थिक और मानसिक ठगी की जाती है, इसलिए सतर्क रहना अत्यंत आवश्यक है। इसके अलावा उन्होंने विवाहेतर संबंध, तलाक के लिए आवश्यक सबूत एकत्र करने तथा सोशल मीडिया के कारण बढ़ती दूरियों के विषय में भी विस्तृत जानकारी दी। अपने व्याख्यान में प्रिया काकड़े ने स्पष्ट किया कि कई महिलाएं प्रेम, विवाह या भावनात्मक सुरक्षा के नाम पर जाल में फंस रही हैं। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर लगभग 90 प्रतिशत प्रोफाइल फर्जी होते हैं, और कुछ मामलों में आर्थिक ठगी के साथ महिलाओं की बिक्री तक के गंभीर मामले सामने आए हैं।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण दुल्हन रैंप वॉक प्रतियोगिताह्न रहा, जिसमें इस वर्ष केवल युवतियों ने भाग लेते हुए दुल्हन के वेश में आत्मविश्वासपूर्ण प्रस्तुति दी। पारंपरिकता और आधुनिकता का समन्वय करते हुए देश के विभिन्न राज्यों की विवाह संस्कृति का जीवंत प्रदर्शन इस फैशन शो में किया गया। राजस्थान, गुजरात, केरल, महाराष्ट्र सहित मारवाड़ी और बौद्ध समाज की दुल्हन वेशभूषाओं को दर्शकों ने विशेष रूप से सराहा। इस कार्यक्रम को सोनरूपम ज्वेलर्स और उज्वलाज ब्यूटी सैलून एंड अकैडमी का सह-प्रायोजन प्राप्त हुआ। महाराष्ट्र शासन के हाफकिन जीव औषध निर्माण महामंडल में कामगार कल्याण, जनसंपर्क और मानव संसाधन एवं विकास विभाग के प्रमुख अमित डोंगरे, साइबर नेटवर्किंग विशेषज्ञ एवं सलाहकार स्वप्नेश माली, माखन मंडराई, उज्वला चव्हाण तथा आयोजक वुई मुक्ता की संस्थापक नेत्रा गुजराठी इस अवसर पर उपस्थित थे।

अक्षय आस्था, अक्षय समृद्धि : काशी में उतरा पुण्य का स्वर्णिम आभा, विश्वनाथ धाम में दिव्यता, बाजारों में धन की वर्षा

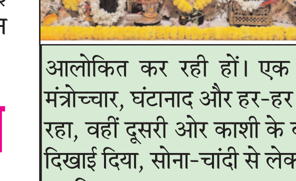

वाराणसी। सनातन आत्मा ने एक बार फिर अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर अपने शाश्वत स्वरूप का भव्य उद्घोष किया। ऐसा लगा मानो समय ठहर गया हो और युगों पुरानी परंपराएं वर्तमान में सजीव होकर जनमानस को आलोकित कर रही हों। एक ओर जहां श्री काशी विश्वनाथ धाम में मंत्रोच्चार, घंटानाद और हर-हर महादेव के जयघोष से वातावरण गुंजायमान रहा, वहीं दूसरी ओर काशी के बाजारों में समृद्धि का उत्सव अपने चरम पर दिखाई दिया, सोना-चांदी से लेकर बाइक तक, हर वस्तु की खरीद में शुभता का विश्वास झलकता रहा। अक्षय तृतीया, अर्थात वह तिथि जो कभी क्षय न हो। काशी में इस दिन का महत्व केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत व्यापक है। भोर की पहली किरण के साथ ही विश्वनाथ धाम के कपाट खुले और श्रद्धालुओं की लंबी कतारें बाबा के दर्शन को उमड़ पड़ीं। हर चेहरे पर आस्था की चमक थी, हर मन में पुण्य संचय की आकांक्षा। धाम परिसर में विविध धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन अत्यंत विधिपूर्वक संपन्न हुआ। भगवान श्रीहरि विष्णु के बद्रीनारायण स्वरूप का मनोहारी श्रृंगार किया गया, फूलों की सजीव छटा, चंदन की सुगंध और दीपों की लौ से सारा वातावरण दिव्य हो उठा। ऐसा प्रतीत हुआ मानो स्वयं देवत्व धरती पर अवतरित हो गया हो। इस शुभ दिन से एक अत्यंत प्राचीन और आध्यात्मिक परंपरा का भी शुभारंभ हुआ, भगवान श्री विश्वनाथ के विग्रह पर कुंवरा (शॉवर) की स्थापना। यह व्यवस्था श्रावण मास तक निरंतर जलाभिषेक का प्रतीक है, जो शिवभक्ति की निरंतरता और तप की शीतलता को दशार्ती है। जल की यह अविरल धारा मानो जीवन के प्रवाह और आस्था की अखंडता का संदेश दे रही हो। मध्यान्ह भोग आरती के समय भगवान श्री विश्वेश्वर का विविध फलों के रस से विशेष अभिषेक किया गया। आम, बेल, खरबूजा और अंगूर जैसे मौसमी फलों के रस से अभिषेक की यह परंपरा केवल पूजा नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का भाव भी है। जैसे-जैसे तापमान बढ़ रहा है, वैसे-वैसे इस अभिषेक में शीतलता और करुणा का भाव और भी प्रखर हो उठता है। धाम में सेवा भाव की अद्भुत झलक भी देखने को मिली। श्रद्धालुओं और वहां कार्यरत कर्मचारियों के लिए बेल, नींबू और दही से बने शीतल पेयों का वितरण किया गया। यह केवल सेवा नहीं, बल्कि काशी की उस संस्कृति का प्रतीक है जिसमें अतिथि देवो भवः और सेवा ही धर्म की भावना रची-बसी है। उधर, जैसे ही दिन चढ़ा, काशी के बाजारों में रौनक अपने शबाब पर पहुंच गई। सरार्फा बाजारों में ग्राहकों की भीड़ उमड़ पड़ी। सोने-चांदी के आभूषणों की खरीद को अक्षय पुण्य से जोड़ा जाता है, और इस बार भी लोगों ने खुलकर खरीदारी की।

निहिलेंट ने भारत में शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी पहलों के जरिए अपने सीएसआर प्रयासों को और मजबूत किया

मुंबई। निहिलेंट एक वैश्विक कंसल्टिंग और टेक्नोलॉजी सर्विस कंपनी है, जो भारत में अपने सीएसआर (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) कार्यों को मजबूत कर रही है। कंपनी वंचित और कम सुविधा वाले समुदायों में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सभी के लिए समान अवसर देने पर काम कर रही है। अपने मानव-केंद्रित विकास के दृष्टिकोण के तहत, निहिलेंट टेक्नोलॉजी, बुनियादी ढांचे और साझेदारी की मदद से समाज में मौजूद कमियों को दूर करने का प्रयास कर रही है। शिक्षा क्षेत्र में, निहिलेंट ने पुणे स्थित भटक्या विमुक्त जाती शिक्षण संस्था (बीवीजेएसएस) के आवासीय स्कूल में डिजिटल शिक्षा को बेहतर बनाने का काम किया है। इसके तहत कंपनी ने इंटरनेट सुविधा के साथ एक पूरी तरह से सुसज्जित कंप्यूटर लैब स्थापित की है और एक डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम भी शुरू किया है। इस पहल से घुमंतू और आर्थिक रूप से कमजोर समुदायों के बच्चों को डिजिटल कौशल सीखने में मदद मिल रही है, जिससे वे तकनीक आधारित भविष्य के लिए बेहतर तरीके से तैयार हो सकें। निहिलेंट ने बीवीजेएसएस कैंपस में रहने की सुविधाओं को भी बेहतर बनाया है। इसके लिए आधुनिक स्वच्छता सुविधाएं बनाई गई हैं और पोषण तथा चिकित्सा सामग्री जैसी जरूरी चीजों में भी मदद दी गई है। इन प्रयासों से स्वच्छता में सुधार हुआ हैं, स्वास्थ्य संबंधी जोखिम कम हुए हैं और आवासीय छात्रों के समग्र स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। इन पहलों पर टिप्पणी करते हुए निहिलेंट लिमिटेड के फाउंडर और एग्जीक्यूटिव चेयरमैन एल.सी. सिंह ने कहा, निहिलेंट में सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति हमारा दृष्टिकोण मानव-केंद्रित विकास के हमारे विश्वास पर आधारित है।